www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 316 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
11 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:46
सूर्यास्तः 05:55
अधिकतमः 26°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 07

विशेष समाचार | जनकपुरी हादसे से इंसानियत... >> पेज 04 | वेबसीरीज देखते-देखते ... >> पेज 06 | 30 हजार की भीड़ में खोया ...

योगी बोले- जो कानून तोड़ेगा उसे जहन्नुम मिलेगा, कायदे से रहना सीख लो

'बाबरी ढांचा कयामत के दिन तक नहीं बनेगा'

बाबरी ढांचे का सपना कभी पूरा नहीं होगा: योगी

2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था

योगी बाराबंकी में श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। यज्ञ मंडप में आहुति दी। इस दौरान संत बलराम दास ने मखाने और लावा की माला पहनाकर योगी का स्वागत किया। इसके बाद योगी ने कहा- हम सब भारतीय एक भारत श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें। 2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था। पहले गरीबों की जमीन पर कब्जा हो जाता था। सरकार बदलते ही सारी अराजकता गायब हो गई। हमारी सरकार में सब सुरक्षित हैं।

500 साल में मंदिर नहीं बना

सीएम ने कहा- 500 साल में कई राजा-महाराजा आए। 1947 में देश आजाद हुआ। सरकारें बनती रहीं। लेकिन, किसी मन में ये बात नहीं आई कि अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बने। मंदिर भाजपा की सरकार में बना। आज वहां लाखों भक्त दर्शन करने जा रहे।

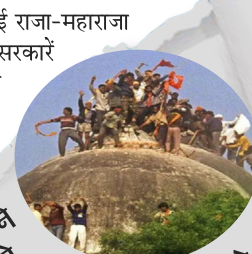

विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा- यह रुकने और गिरने वाली सरकार नहीं है। 2017 से पहले यूपी की स्थिति बेहद खराब थी। हर चौथे दिन शहरों में कर्फ्यू लगाना पड़ता था। त्योहार शांति से नहीं मनाए जा सकते थे। गरीबों की जमीनों पर कब्जा होता था, अराजकता चरम पर थी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश से अराजकता समाप्त हो चुकी है। विकास की नई गति दिखाई दे रही। माघ मेले में अब तक 21 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। किसान आज सुरक्षित माहौल में खेती कर रहा है। उसकी फसल सोना उगल रही है।

ये सरकार गिरने वाली नहीं

विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने कहा- यह रुकने और गिरने वाली सरकार नहीं है। 2017 से पहले यूपी की स्थिति बेहद खराब थी। हर चौथे दिन शहरों में कर्फ्यू लगाना पड़ता था। त्योहार शांति से नहीं मनाए जा सकते थे। गरीबों की जमीनों पर कब्जा होता था, अराजकता चरम पर थी। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश से अराजकता समाप्त हो चुकी है। विकास की नई गति दिखाई दे रही। माघ मेले में अब तक 21 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। किसान आज सुरक्षित माहौल में खेती कर रहा है। उसकी फसल सोना उगल रही है।

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। कयामत की रात कभी नहीं आएगी, इसलिए बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी संभव नहीं है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही सड़-गल जाएंगे। ऐसे लोगों से कहना चाहेंगे कि कयामत के दिन के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, क्योंकि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। जो कानून तोड़ेगा, वो सीधे जहन्नुम में जाएगा।

यह बात सीएम योगी ने मंगलवार को बाराबंकी में कही। उन्होंने कहा- ये डबल इंजन की सरकार है। हम लोगों ने कहा था ना, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। बन गया न मंदिर। कोई संदेह है। राम को भूल जाते हैं, इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं। अब उनकी नैया कभी पार नहीं होगी। उन्हें कभी आगे नहीं बढ़ना। रामद्रोहियों के लिए अब कोई जगह नहीं। जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे, अब इन लोगों के लिए कोई जगह नहीं। राम सबके हैं, इसमें भेद नहीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

हमने केडी सिंह बाबू की हवेली बिकने नहीं दी

योगी ने कहा- बाराबंकी भगवान विष्णु के वराह अवतार की भूमि है। यहीं लोधेश्वर महादेव का पवित्र धाम है। इसी धरती पर हॉकी के महान खिलाड़ी और पद्म सम्मान से सम्मानित बाबू केडी सिंह का जन्म हुआ था। उनकी हवेली बिकने वाली थी। लेकिन, सरकार ने उसे बिकने नहीं दिया। अपने खर्चे से वहां भविष्य स्मारक बनवाया जा रहा है। जिससे जनपद का नौजवान उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सके। कहा- सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

"कयामत की रात कभी नहीं आएगी, इसलिए बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी संभव नहीं है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही सड़-गल जाएंगे। ऐसे लोगों से कहना चाहेंगे कि कयामत के दिन के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, क्योंकि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। जो कानून तोड़ेगा, वो सीधे जहन्नुम में जाएगा।- सीएम योगी"

उमर अब्दुल्ला बोले- अमरनाथ यात्रा को कश्मीरी मुसलमानों ने आसान बनाया

श्रीनगर । जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा को हमेशा कश्मीरी मुसलमानों ने आसान बनाया है और आगे भी बनाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि यात्रियों को लिए सुविधाएं आर्टिकल 370 के हटने के बाद ही आसान नहीं हुई हैं। कश्मीरियों ने हमेशा तीर्थयात्रियों को अपने कंधों पर उठाकर गुफा तक पहुंचाया है। कश्मीरियों के बिना यात्रा कब मुमकिन हुई है?

मंगलवार को जम्मू कश्मीर विधानसभा में सीएम ने साल 2026-27 के लिए राज्य का बजट पेश किया। उन्होंने तीर्थक्षेत्र के विकास के लिए 180 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव रखा।

पेंगुइन का दावा : नरवणे की किताब पब्लिश नहीं हुई

पूर्व सेना प्रमुख ने पब्लिकेशन की पोस्ट शेयर की

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी (Four Stars of Destiny)' पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया।

कंपनी ने कहा कि पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है।

इसके जवाब में राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा- या तो नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन कंपनी। वहीं कंपनी के बयान को पूर्व आर्मी चीफ ने X पर रीपोस्ट किया। उन्होंने लिखा- यह है बुक पर स्थिति।

राहुल बोले- कंपनी झूठ बोल रही या नरवणे

>> (शेष पेज 06 पर)

विधानसभा में दो विधायकों के मोबाइल जब्त भड़के स्पीकर

स्कूटी से पहुंचे 90 साल के सपा विधायक

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । यूपी विधानमंडल में आज बजट सत्र का दूसरा दिन था। सदन में दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि दी जा रही थी। तभी 2 विधायकों के मोबाइल फोन बजने लगे। इस पर स्पीकर सतीश महाना भड़क गए। उन्होंने तुरंत सिक्योरिटी बुलाई और विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा- दोनों माननीय सदस्यों से टेलीफोन ले लो, वो जो पीछे टोपी वाले बैठे हैं। बताया जा रहा कि भाजपा के फतेहपुर सीकरी विधायक चौधरी बाबूलाल और एक अन्य विधायक के मोबाइल बज रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

केशव बोले- सपा का चरित्र 'मीठा-मीठा गप और तीखा-तीखा थू' वाला है

विधान परिषद में सपा विधायकों के सवालों पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- मीठा-मीठा गप और तीखा-तीखा थू वाला है समाजवादी पार्टी का चरित्र है। हम आरक्षण के मामले में किसी तरह की गड़बड़ी के पक्ष में नहीं रहते हैं। विधायकों ने जो मुद्दा उठाया है हम उसकी जांच करेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

विधान परिषद में आरक्षण को लेकर सपा विधायकों ने दिया धरना

आरक्षण में गड़बड़ियों के मुद्दे पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के जवाब के दौरान सपा एमएलसी ने सदन में धरना शुरू कर दिया। सरकार पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। सपा के 8 MLC नीचे बैठकर नारेबाजी कर रहे।

फास्ट न्यूज

आईएसआई की साजिश नाकाम

अमृतसर। पंजाब में आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशंस सेल (SSOC), अमृतसर ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। खुफिया जानकारी के आधार पर की गई विशेष कार्रवाई में SSOC ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI समर्थित आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है।

घटना | मांग

रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को मंगलवार को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी वॉट्सएप पर भेजे गए एक वॉइस नोट के जरिए दी गई है, इसमें आरोपी ने करोड़ों रुपए की फिरौती की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक, धमकी मिलने के तुरंत बाद मुंबई पुलिस ने रणवीर सिंह के बांद्रा स्थित आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और आने-जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। यह घटना फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग की घटना के बाद आया है, इससे मुंबई पुलिस मामले में ज्यादा सजग है।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश, 2.43 लाख नाम हटे

गुवाहटी । चुनाव आयोग (EC) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल रिवीजन (SR) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। EC के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं।

बजट से किसी को कोई उम्मीद नहीं है : अखिलेश

चर्चा में कहा कि सरकार का बजट दिशाहीन

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार का बजट दिशाहीन है। बजट में देश को 2047 में विकसित बनाने के लिए कोई विजन नहीं है। बजट से किसी को कोई उम्मीद नहीं है। बजट में पीडीए पिछड़ा, दलित, महिला, अल्पसंख्यकों के लिए कुछ नहीं है, लगता है इस सरकार ने इनके बारे में सोचना ही छोड़ दिया है। बजट में आम जनता की न जिक्र है और न फिक्र है। बजट में गरीबों, किसानों के विकास के लिए कुछ नहीं है। मंहगाई बेतहासा बढ़ रही है लेकिन टैक्स में छूट नहीं मिली। मध्यम वर्ग ठगा महसूस कर रहा है। भाजपा का बजट 1/20 लोगों अर्थात सिर्फ 5 फीसदी लोगों के लिए है।

बजट में देश को 2047 में विकसित बनाने के लिए कोई विजन नहीं है

>> (शेष पेज 06 पर)

ओम बिरला का लोकसभा में ना जाने का फैसला, 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

118 सांसदों के हस्ताक्षर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । विपक्ष ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। न्यूज एजेंसी IANS ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे। एजेंसी के मुताबिक विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है।

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश यादव ने संसद में यूएस ट्रेड डील पर कहा कि बाजपा बताए 0 बड़ा है या 18। उन्होंने कहा कि ये बजट दिशाहीन है।

गिरिराज सिंह बोले- अपनी ख्वाहिशों के लिए नेहरू ने कश्मीर को गिरवी रखा

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, अपनी ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए नेहरू जी ने कश्मीर को गिरवी रख दिया। उन्होंने अंग्रेजों के सामने सरेंडर भी कर दिया। एक पोस्ट दिखाते हुए उन्होंने कहा कि ये तस्वीरें सब कुछ समझाती हैं। राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्रालय बोला- आदिवासी इलाकों में 2.38 लाख सिकल सेल एनीमिया के मरीज

राज्यसभा में स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि 3 फरवरी तक देश भर के आदिवासी बहुल इलाकों में 6.83 करोड़ से ज़्यादा लोगों की सिकल सेल एनीमिया के लिए स्क्रीनिंग की गई है। इनमें से लगभग 2.38 लाख लोग इस बीमारी से इन्फेक्टेड पाए गए, जबकि 19.32 लाख से ज्यादा लोगों की पहचान कैरियर के तौर पर हुई।

अवलोकन : लंबित प्रकरणों पर सख्त नाराजगी, कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश

तहसील अकबरपुर के कार्यालयों का जिलाधिकारी ने किया गहन निरीक्षण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने मंगलवार को तहसील अकबरपुर परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों, न्यायालयों एवं पटलों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशासनिक कार्यों की प्रगति, अभिलेखों के रखरखाव और जनसेवा से जुड़े मामलों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों को दायित्वों के प्रति जवाबदेह रहते हुए कार्य करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। निरीक्षण की शुरुआत तहसील परिसर के नजारत अनुभाग से हुई, जहां तहसील दिवस रजिस्टर, डेड स्टॉक रजिस्टर, रजिस्टर-9, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन से संबंधित पत्रावलियां तथा विभागीय कार्यवाही रजिस्टर का अवलोकन किया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

राजस्व वसूली की स्थिति संतोषजनक

कार्यालय अभिलेखागार संग्रह अनुभाग के निरीक्षण के दौरान राजस्व वसूली की स्थिति संतोषजनक पाई गई। इसके साथ ही तहसील परिसर में संचालित फोटोकॉपी की दुकान को आगामी नीलामी में जन सुविधा केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए गए, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

अभिलेखागार संतोषजनक, लेकिन लंबित मामलों पर कड़ा रुख

अभिलेखागार में पत्रावलियों का रखरखाव संतोषजनक पाया गया, हालांकि चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े लंबित प्रकरणों को लेकर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। संबंधित कार्मिक को चेतावनी देते हुए सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही दैवीय आपदा और कृषक दुर्घटना बीमा से संबंधित लंबित पत्रावलियों को नियमानुसार त्वरित रूप से निपटाने के निर्देश दिए गए। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई।

आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय के निरीक्षण के दौरान राशन कार्ड धारकों के सत्यापन पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अपात्र राशन कार्डों को निरस्त किया जाए और पात्र परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि वास्तविक लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सके।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके

कर्फ्यू

तमसा संकेत, एजेंसी

इंफाल । मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी।

हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी।

उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी।

इंफाल से 35 किलोमीटर दूर लितान सरेइखोंग गांव में आगजनी की घटना हुई

>> (शेष पेज 06 पर)

यूजीसी रेगुलेशन के समर्थन में निकाला मार्च, विधानसभा कूच के दौरान झड़प

पल्लवी को बाल पकड़कर पुलिस ने गाड़ी में डाला

झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पुलिस और पल्लवी पटेल के बीच आज झड़प हो गई। पल्लवी UGC इक्विटी रेगुलेशन 2026 के समर्थन में सैकड़ों लोगों के साथ पैदल मार्च निकाल रही थीं। उनके साथ सैकड़ों महिलाएं इस मार्च में शामिल थीं। महिलाओं संग वह IT चौराहे से निकलीं और यहां से विधानसभा तक जाना था। मार्च जब रिजर्व पुलिस लाइन के पास से गुजरने लगा तो पुलिस ने पल्लवी पटेल को रोक दिया। वहां बड़ी-बड़ी कंटीली बैरिकेडिंग की गई थी। पल्लवी ने इस पर चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने रोका। इस दौरान पुलिस और पल्लवी के बीच झड़प हो गई। झड़प के बाद वह सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। करीब 15 मिनट की मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने एक-एक सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया, लेकिन पल्लवी सड़क पर लेट गईं। उन्हें पुलिस की गाड़ी तक ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी। वह गाड़ी तक तो किसी तरह पहुंचीं, लेकिन गाड़ी के गेट पर अड़ गईं। महिला पुलिसकर्मी ने उनको हाथ और पीठ के सहारे अंदर करने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं जा रही थीं। इसके बाद उनके बाल पकड़कर गाड़ी के अंदर डाल दिया। पल्लवी का कहना है कि UGC इक्विटी रेगुलेशन 2026 को टालना आरक्षित और वंचित वर्गों के अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। पल्लवी पटेल अपना दल (कमेरावादी) अध्यक्ष हैं। वर्तमान में इनका सपा के साथ गठबंधन है। पल्लवी कौशाम्बी की सिराथू विधानसभा सीट से विधायक हैं। पल्लवी पटेल रोके जाने के बाद करीब 15 मिनट से रिजर्व पुलिस लाइन चौराहे के पास सड़क पर बैठी हुई हैं। वह पुलिस बैरिकेडिंग के सामने सड़क पर ही धरना दे रही हैं। पल्लवी पटेल ने कहा- मात्र बिल पेश हो जाने भर से पूरे देश में विरोध शुरू हो गया। उसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान ले लिया। रातोंरात अनुच्छेद 370 खत्म होता है, रातोंरात नोटबंदी हुई, क्या उसमें कोई कमी नहीं थी? उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया?

अपना दल कमेरावादी के साथ विभिन्न सामाजिक, छात्र युवा संगठनों ने विशाल मार्च निकाला

पुलिस की सारी मान-मनौव्वल फेल हुई। अब पुलिस ने पल्लवी सहित सभी महिला कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया लेकिन पल्लवी को टस से मस नहीं कर पा रही है। वह सड़क पर ही लेट गई हैं।

पुलिस ने पल्लवी पटेल के बाल पकड़कर गाड़ी में डाला

पुलिस काफी देर तक समझाती रही लेकिन पल्लवी वहां से हटने को तैयार नहीं हुईं। करीब 15 मिनट की मान-मनौव्वल के बाद पुलिस ने एक-एक सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इस दौरान सबको गाड़ियों में बैठा दिया गया लेकिन पल्लवी सड़क पर लेट गईं। उन्हें पुलिस की गाड़ी तक ले जाने में मशक्कत करनी पड़ी।

वह गाड़ी तक तो किसी तरह पहुंचीं लेकिन गाड़ी के गेट पर अड़ गईं। महिला पुलिसकर्मी ने उनको हाथ और पीठ के सहारे अंदर करने की कोशिश लेकिन वह नहीं जा रही थीं। इसके बाद उनके बाल पकड़कर गाड़ी के अंदर डाल दिया।

1.40 करोड़ लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाने का लक्ष्य : ब्रजेश पाठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में 1.40 करोड़ लोगों को फाइलेरिया की दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। देश के 12 राज्यों के 124 जनपदों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के साथ संयुक्त रूप से एमडीए अभियान का शुभारंभ हुआ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से इस अभियान की शुरुआत की। यह जानकारी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दी।

विधानसभा स्थित सभागार में उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान का शुभारम्भ किया। उत्तर प्रदेश के फाइलेरिया प्रभावित 21 जनपदों के 64 प्लानिंग यूनिटों में वृह्द अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 12332 टीमें और 2246 पर्यवेक्षकों को लगाया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि इस अभियान में उत्तर प्रदेश के फाइलेरिया प्रभावित 21 जनपद शाहजहांपुर, बलिया, बाराबंकी, चित्रकूट, उन्नाव, प्रतापगढ़, अयोध्या, भदोही, हरदोई, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, अबंडेकरनगर, औरैया, बहराइच, बांदा, फतेहपुर, खीरी, लखनऊ, पीलीभीत और रायबरेली के 64 प्लानिंग यूनिटों में अभियान चलाया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि फाइलेरिया के दुष्प्रभाव से मानव जीवन, कार्यक्षमता और उत्पादकता तीनों प्रभावित होते हैं। सभी आयोग्य आयुष्मान केंद्रों पर फाइलेरिया की दवा उपलब्ध है।

फास्ट न्यूज

साइकिल से गिरा किशोर, पिकअप ने रौंदा

दुबग्गा । लखनऊ में साइकिल से जा रहा किशोर गिर गया, जिसे पीछे से आ रहे पिकअप ने रौंद दिया। राहगीरों ने पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना हंसखेड़ा चौकी इलाके में 19 मंजिला भवन के पास मंगलवार को हुई।

लखनऊ में पुलिस ने 4500 किलो बारूद-पटाखा जलाया

बख्शी का तालाब । लखनऊ में कल रात मिले 4500 किलो बारूद और पटाखे को पुलिस ने आज शाम जला दिया है। दिनभर चली कार्रवाई और जांच के बाद तय किया गया कि इसे खुले में जलाया जा सकता है। इसके बाद पुलिस ने मलबे को दफना दिया। शाम से ही गोदाम से पटाखा मसाला निकालना शुरू कर दिया था। पुलिस ने अवैध रूप से इतने बारूद भंडारण पर 3 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। SI अरविंद तिवारी ने इटौंजा थाने में FIR दर्ज करवाई है। इन तीनों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

विधायक बेदीराम नगर निगम पहुंचे

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को सुभासपा विधायक बेदी राम पहुंचे। उन्होंने भरवारा गंगोत्री विहार में अवैध प्रॉपर्टी डीलर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बेदी राम ने बताया कि स्थानीय पार्षद ममता रावत के पति गौतम रावत भू-माफिया हैं। उन्होंने प्रॉपर्टी डीलर टी एस मनराल के साथ मिलकर अवैध रूप से सरकारी जमीनों को बेंच दिया है। अवैध कॉलोनी बनवाई।

केजीएमयू ट्रामा परिसर में नई पुलिस चौकी का अनावरण

प्रो. सोनिया नित्यानंद ने फीता काटकर चौकी का उद्घाटन किया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रामा परिसर में आज नई पुलिस चौकी का विधिवत अनावरण किया गया। इस अवसर पर केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने फीता काटकर चौकी का उद्घाटन किया तथा परिसर की सुरक्षा और बेहतर समन्वय के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि नई पुलिस चौकी से मरीजों, तीमारदारों और चिकित्सकीय स्टाफ की सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ होगी तथा आपात स्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध हो सकेगी।

कार्यक्रम में डीन पैरामेडिक्स एवं मीडिया सेल प्रभारी डॉ. के. के. सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी. के. ओझा, ट्रामा के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रेम राज सिंह तथा डॉ. अमिय अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की मेजबानी की। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे और सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए अपने सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में डॉ. भास्कर अग्रवाल (ट्रेजरर, अटल बिहारी कन्वेंशन सेंटर) तथा डॉ. अरुणेश कुमार तिवारी (प्रभारी, मैक्सिलोफेशियल यूनिट, ट्रामा) सहित विश्वविद्यालय एवं ट्रामा सेंटर के कई वरिष्ठ चिकित्सक और अधिकारी मौजूद रहे।

समारोह के दौरान अतिथियों ने नई पुलिस चौकी का निरीक्षण किया और ट्रामा परिसर में सुरक्षा एवं सेवा व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयासों की सराहना की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उम्मीद जताई कि इस पहल से परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और मरीजों को बेहतर व सुरक्षित वातावरण मिलेगा।

बदलेगा राजधानी का पावर सेंटर

सहारा शहर बनेगा सत्ता का नया केंद्र, यहां विधानसभा भवन बनाने की कवायद तेज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। एलडीए के अधिकारी ने बताया कि करीब 10 महीने पहले एलडीए ने सहारा शहर में अपने हिस्से की 75 एकड़ जमीन कब्जे में ली थी। इसके बाद सितंबर में नगर निगम ने अपने हिस्से की 170 एकड़ जमीन को लीज निरस्त करने के बाद कब्जे में लिया था। इस तरह कुल 245 एकड़ जमीन खाली हो गई है। अब इसी जमीन पर नया विधानभवन बनाने की तैयारी है। लोकभवन और विधान-भवन में मुख्यमंत्री के आने और वहां से लौटने के समय कई जगह ट्रैफिक रोका जाता है। इससे लोगों को सहूलियत मिल जाएगी।

वर्तमान विधानभवन के आसपास पार्किंग की बड़ी समस्या है। बड़ी संख्या में गाड़ियां सड़क पर खड़ी होती हैं। इससे राहत मिल सकती है। हजरतगंज और लालबाग में बड़े अस्पताल और स्कूल भी हैं ऐसे में वीआईपी मूवमेंट के समय ट्रैफिक बंद किए जाने से लोगों को परेशानी होती है जो दूर होगी। नए विधानभवन के बनने के बाद हजरतगंज को बेहतर पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करना आसान होगा। अभी सुरक्षा कारणों और यातायात दबाव के कारण कई योजनाएं नहीं बन पा रहीं।

जमीन की पैमाइश रिपोर्ट भेजी जा चुकी

शासन के निर्देश पर जमीन की पैमाइश रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। उच्च स्तर पर यहां विधानभवन निर्माण के लिए सहमति बन चुकी है। आगे की प्रक्रिया के लिए ही कंसल्टेंट नियुक्त करने और उसके जरिये डीपीआर और डिजाइन तैयार करने की तैयारी है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि कि सहारा शहर की जमीन पर विधानभवन निर्माण के संबंध में प्रक्रिया चल रही है।

जानकारों का कहना है कि सरकार नया विधानभवन बनाने के लिए करीब 200 एकड़ जमीन की तलाश कई वर्ष से कर रही थी। यहां नगर निगम की 170 और एलडीए की 75 एकड़ जमीन मिलाकर कुल जमीन 245 एकड़ है। यह जगह लोकेशन व आवागमन के हिसाब से भी उपयुक्त भी है। इसी वजह से शासन ने इसी जगह पर नया विधानभवन बनाने का मन बनाया है।

सर पर कफ़न बांधकर प्रतीकात्मक ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया

मुसलमानों के प्रति असंवैधानिक बयानों पर ओलमा कौंसिल का सख़्त विरोध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं असम राज्य प्रभारी मो० नसीम तथा असम प्रदेश अध्यक्ष मौलाना औबेदुर्रहमान क़ासमी ने आज गुवाहाटी में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने असम के मुख्यमंत्री की नीतियों व मुसलमानों के खिलाफ साम्प्रदायिक व असंवैधानिक बयानों और कार्यशैली के विरोध में सर पर कफ़न बांधकर प्रतीकात्मक ढंग से अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मो० नसीम ने कहा कि असम में गरीब मुसलमानों को परेशान किया जा रहा कभी मुख्यमंत्री के बयानों से और डी वोटर्स के नाम पर वोटर लिस्ट मुसलमानों के नाम को काटा जा रहा, मुख्यमंत्री हेमंत कुमार बिस्वा शर्मा मुसलमानों को गोली मारना चाहते है तो हमारे सीने मौजूद है, अगर हमारे खून से उनकी प्यास बुझती है तो आए गोली मारे,एक संवैधानिक पद पर बैठ कर एक मुख्यमंत्री जिस तरह की भाषा बोल रहे है एक समाज को टारगेट कर रहे है इन सब के बावजूद केंद्र सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनसमस्याओं से ध्यान भटकाकर दमनकारी नीतियों को बढ़ावा दे रही है।

हम कह देना चाहते हैं कि अगर मुख्यमंत्री मुसलमानो की प्रताड़ना बंद नहीं करते है तो आने वाले समय में राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी ज़िम्मेदारी सरकार की होगी।

हेमंत जी आये दिन असम के मुसलमानों को प्रताड़ित कर रहे

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत कुमार बिस्वा शर्मा की मुसलमान विरोधी नीतियों की घोर निंदा करते हुए कहा कि संविधान की शपथ लेकर मुख्यमंत्री बने हेमंत जी आये दिन असम के मुसलमानों को प्रताड़ित कर रहे हैं, उनके मकानों-दुकानों पर बुकडोज़र चला कर, कभी उनके खान-पान पर उंगली उठा कर, कभी उ के दाढ़ी-टोपी पर तंज़ कस कर और अब तो हद ये है कि असम भाजपा के आधिकारिक हैंडल से मुसलमानो को पॉइंट ब्लैंक पर गोली मारने का वीडियो जारी कर रहे हैं और देश की तमाम संवैधानिक संस्थाएं, न्यायालय, प्रधानमंत्री और अल्पसंख्यक आयोग सब खामोश हैं तो ऐसे में हम ही कफ़न बांध कर मुख्यमंत्री को चुनैती देते हैं कि आइये अपनी ख्वाहिश को पूरा कर लीजिए।

असम प्रदेश अध्यक्ष मौलाना औबेदुर्रहमान क़ासमी ने कहा कि सर पर कफ़न बांधकर प्रेस वार्ता करना इस बात का प्रतीक है कि यदि ज़रूरत पड़ी तो राष्ट्रीय ओलमा कौंसिल पार्टी हक़ और इंसाफ़ की लड़ाई के लिए किसी भी क़ुर्बानी से पीछे नहीं हटेगी।

गृहकर बकाएदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

लखनऊ। नगर निगम द्वारा गृहकर बकाएदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में इंदिरा नगर स्थित जल निगम कॉलोनी के एक भवन पर लंबे समय से लंबित गृहकर बकाया न चुकाए जाने पर नगर निगम ने कुर्की एवं सीज की कार्रवाई की है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार जल निगम कॉलोनी, सेक्टर-24, इंदिरा नगर, लखनऊ स्थित भवन संख्या 24/002 जी.बी. पर नगर निगम का गृहकर मद में दिनांक 31 मार्च 2026 तक कुल 29,03,081/- (उनतीस लाख तीन हजार इक्यासी रुपये मात्र) बकाया है। इस बकाया धनराशि के भुगतान हेतु नगर निगम द्वारा नियमानुसार कई बार गृहकर बिल एवं डिमांड नोटिस जारी किए गए। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर भी भुगतान के लिए प्रयास किए गए, किंतु इसके बावजूद अब तक कोई भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 509 से 516 तक के अंतर्गत बकायेदारों की चल संपत्ति को कुर्क अथवा सीज किए जाने का प्रावधान है।

किसान नेतृत्व का आर पार की लड़ाई का ऐलान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह द्वारा आज दिनांक 10 फरवरी 2026 को 8 माल एवेन्यू में किसान संगठनों के साथ एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें किसान संगठन के नेताओं ने अमेरिका के दबाव में किए जा रहे तथाकथित भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को किसान विरोधी, संविधान विरोधी और राष्ट्र विरोधी बताया ,इस

बैठक में लोकदल के पदाधिकारी और संगठनों के वक्ताओं ने कहा कि यह समझौता देशहित में नहीं, बल्कि दबाव में आए प्रधानमंत्री की राजनीतिक मजबूरी का परिणाम है, जिसकी कीमत भारतीय किसान चुका रहा है। यह समझौता भारतीय कृषि को तबाह करने की एक सोची-समझी साज़िश है।

किसान नेताओं ने कहा कि जहाँ अमेरिका में एक किसान को हर साल 60 लाख से 2 करोड़ रुपये तक की सरकारी सब्सिडी, आधुनिक तकनीक, सस्ती बिजली, सस्ता डीज़ल और पूरी सरकारी सुरक्षा मिलती है, वहीं भारत का किसान महंगे बीज, महंगी खाद, महंगे डीज़ल, कर्ज़ और बिना MSP की कानूनी गारंटी के खेत में खड़ा है।

विरोध : लखनऊ में हिंदूवादी संगठन का भगवा झंडा-फावड़ा लेकर मुर्शिदाबाद कूच

‘बाबरी मस्जिद की एक ईंट नहीं रखने देंगे, कब्र खोदेंगे’

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद नहीं जाने दिया गया। पुलिस ने संगठन के विशाल खंड-2, गोमती नगर स्थित कार्यालय पर उन्हें रोक लिया। संगठन पदाधिकारियों ने उन्हें अपना ज्ञापन सौंपा। इसके पहले पदाधिकारी-कार्यकर्ता 15 कार के काफिले के साथ कार्यालय पर जुटे। हाथ में भगवा झंडा, कुल्हाड़ी और फावड़ा लेकर करीब 2 घंटे तक प्रदर्शन किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा- हम बाबर के नाम से मस्जिद का निर्माण नहीं होने देंगे। जब एक बार बाबरी मस्जिद का नाम मिट चुका है तो फिर क्यों उसे जिंदा करके पूरे भारत का माहौल खराब किया जा रहा है। बाबरी मस्जिद की एक भी ईंट नहीं रखने देंगे। जरूरत पड़ी तो मुर्शिदाबाद में कब्र खोदने का काम करेंगे।

दरअसल, पश्चिम बंगाल के विधायक हुमायूं कबीर ने 11 फरवरी को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद का निर्माण शुरू करने की बात की है। संगठन इसका विरोध कर रहा है। संठगन ने 11 फरवरी को मुर्शिदाबाद पहुंचकर इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पदाधिकारियों ने बताया की उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और दिल्ली से लगभग 15,000 सदस्य और पदाधिकारी पश्चिम बंगाल मुर्शिदाबाद के लिए निकल चुके हैं। सभी लोगों के हाथों में भगवा झंडा, फावड़ा और कुल्हाड़ी है।

मुर्शिदाबाद में 6 दिसंबर को मस्जिद की आधारशिला के लिए विधायक हुमायूं ने मौलवियों के साथ फीता काटा था। (फाइल फोटो)

मस्जिद नहीं बनने देंगे

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के संगठन मंत्री हिमांशु ने कहा कि हम लोग हाथों में फावड़ा, कुल्हाड़ी और भगवा झंडा लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बनने वाली बाबरी मस्जिद के निर्माण को रोकने जा रहे हैं। सैकड़ों मस्जिद बनाएं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। बाबर के नाम पर हम एक भी मस्जिद नहीं बनने देंगे। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के नाम पर मस्जिद बनाई जाए, हमारा संगठन सहयोग करेगा। समर्थन देगा।

किसी भी हाल में बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं होने देंगे

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के उपाध्यक्ष मनीष राय ने कहा कि यूपी के अन्य जनपदों से हमारे पदाधिकारी और कार्यकर्ता निकल चुके हैं। लखनऊ में अभी हमें रोका गया है। हमारा संगठन किसी धार्मिक स्थल के खिलाफ नहीं है, बल्कि उसके नाम के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इस नाम का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। हम लोग किसी भी हाल में बाबरी का निर्माण नहीं होने देंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सियासी खेल खेलें मगर धर्म के नाम पर आग में ना झोंके।

जल निगम के खाते नगर निगम ने किए कुर्क

गृहकर बकाएदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम द्वारा गृहकर बकाएदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में इंदिरा नगर स्थित जल निगम कॉलोनी के एक भवन पर लंबे समय से लंबित गृहकर बकाया न चुकाए जाने पर नगर निगम ने कुर्की एवं सीज की कार्रवाई की है।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार जल निगम कॉलोनी, सेक्टर-24, इंदिरा नगर, लखनऊ स्थित भवन संख्या 24/002 जी.बी. पर नगर निगम का गृहकर मद में दिनांक 31 मार्च 2026 तक कुल 29,03,081/- (उनतीस लाख तीन हजार इक्यासी रुपये मात्र) बकाया है। इस बकाया धनराशि के भुगतान हेतु नगर निगम द्वारा नियमानुसार कई बार गृहकर बिल एवं डिमांड नोटिस जारी किए गए। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर भी भुगतान के लिए प्रयास किए गए, किंतु इसके बावजूद अब तक कोई भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। नगर निगम द्वारा जल निगम के कार्यकारी अभियंता के नाम से संचालित खाता सहित जल निगम के अन्य सभी बैंक खातों को भी कुर्क करने के आदेश जारी किए गए हैं। नगर निगम ने संबंधित बैंक को निर्देशित किया है कि उक्त खातों से किसी भी प्रकार की धनराशि तब तक निर्गत न की जाए, जब तक कि बकाया 29,03,081/- की धनराशि नगर निगम निधि, लखनऊ के खाते में जमा न कर दी जाए।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा 509 से 516 तक के अंतर्गत बकायेदारों की चल संपत्ति को कुर्क अथवा सीज किए जाने का प्रावधान है। इसी वैधानिक अधिकार का प्रयोग करते हुए नगर निगम द्वारा संबंधित संस्था के स्वामी, जल निगम कॉलोनी सेक्टर-24 इंदिरा नगर, लखनऊ के बैंक में संचालित खाते को कुर्क एवं सीज कर दिया गया है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन

लक्ष्य

2554 आंगनबाड़ी केंद्रों और 3876 विद्यालयों में चला अभियान

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जनपद में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों में कृमिरोग संक्रमण की दर कम करने के उद्देश्य से मंगलवार को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। अभियान के तहत जिलेभर के आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में बच्चों को एल्बेंडाजोल टैबलेट खिलाई गई।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जनपद के 2554 आंगनबाड़ी केंद्रों एवं 3876 विद्यालयों के माध्यम से कुल 11,45,760 लक्षित बच्चों को दवा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के अंतर्गत 1 से 2 वर्ष तक के बच्चों को 200 मिलीग्राम एल्बेंडाजोल की आधी गोली तथा 2 से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर-किशोरियों को 400 मिलीग्राम की एक गोली दी जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि विकास खंड जलालपुर में मंगलवार को एमडीए अभियान संचालित होने के कारण वहां राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन नहीं किया गया। संबंधित क्षेत्र में अभियान की तिथि आगे निर्धारित की जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के माध्यम से बच्चों में एनीमिया, कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने पर जोर दिया जा रहा है। जिलेभर में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया गया, ताकि अधिकतम संख्या में बच्चों को दवा का लाभ मिल सके।

> **अभियान दिवस पर किसी कारणवश एल्बेंडाजोल से वंचित रह गए 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए 13 फरवरी 2026 को मॉप-अप अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान निर्धारित आयु वर्ग के अनुसार बच्चों को एल्बेंडाजोल टैबलेट खिलाई जाएगी, ताकि कोई भी पात्र बच्चा कृमि मुक्ति अभियान से छूट न जाए।**

प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर से हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान का शुभारंभ प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर में किया गया, जहां बच्चों को एल्बेंडाजोल टैबलेट खिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक, अधीक्षक, समन्वयक एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

टीबी मरीजों को छह माह से नहीं मिला पोषण भत्ता

3060 रोगियों पर असर, इलाज जारी लेकिन भुगतान अटका

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में क्षय रोग उन्मूलन अभियान के तहत पंजीकृत टीबी मरीजों को पिछले छह माह से पोषण भत्ता नहीं मिल पाया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इलाज और दवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन पोषण भत्ते के भुगतान में देरी से मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में वर्तमान में 3060 टीबी रोगी पंजीकृत हैं। इनमें से अधिकांश मरीज आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं, जिनके लिए पोषण भत्ता उपचार के दौरान अहम सहारा माना जाता है।

विभागीय जानकारी के मुताबिक 3060 टीबी मरीजों में से 2850 रोगियों को विभिन्न सामाजिक संगठनों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा गोद लिया गया है। इन मरीजों को समय-समय पर पोषण पोटली उपलब्ध कराई जा रही है। इसके बावजूद नकद पोषण भत्ता न मिलने से कई मरीजों को दैनिक जरूरतों में दिक्कत आ रही है।

स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि उपचार के मामले में जिले की स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। अब तक टीबी उपचार में 94 प्रतिशत सफलता दर दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार हाल के महीनों में कुल 4964 टीबी मरीज चिन्हित किए गए थे।

एक्स-रे जांच में आई देरी

पहले जिले में एक निजी संस्था के माध्यम से टीबी मरीजों का निःशुल्क एक्स-रे किया जाता था, लेकिन अनुबंध की अवधि समाप्त होने के बाद जांच प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इसके चलते कई मामलों में एक्स-रे कराने में देरी हो रही है। हालांकि जिला क्षय रोग अधिकारी गौतम मिश्र ने बताया कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी मरीजों के लिए एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध है और मरीजों को वहीं जांच की सुविधा दी जा रही है।

विवेक मौर्य ने शिया समुदाय से जुड़े ऐतिहासिक मुद्दे को को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। शिया समुदाय से जुड़े एक लंबे समय से लंबित और संवेदनशील ऐतिहासिक मुद्दे को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाते हुए भाजपा नेता विवेक मौर्य ने संसद में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान अल बक़ी आर्गनाइजेशन से जुड़े सामाजिक प्रतिनिधि सलमान रिज़वी भी उनके साथ मौजूद रहे। दोनों ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए शिया समुदाय की धार्मिक भावनाओं से जुड़े विषय को सामने रखा।

■ अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात कर प्रधानमंत्री को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में जन्नतुल बक़ी में चार इमामों की क़ब्रों और पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद की पुत्री बीबी फ़ातिमा ज़हरा से संबंधित मज़ार को क्षति पहुंचाए जाने का विषय शामिल रहा। यह मामला शिया समुदाय के लिए गहरी धार्मिक और ऐतिहासिक आस्था से जुड़ा हुआ है। समुदाय की ओर से इस विषय को बीते लगभग सौ वर्षों से शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीकों से उठाया जाता रहा है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार यह पहला अवसर है जब किसी युवा जननेता ने इस मुद्दे को सीधे संसद के माध्यम से केंद्रीय स्तर तक पहुंचाया है। विवेक मौर्य की इस पहल को शिया समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। अल्पसंख्यक मंत्री के समक्ष विषय को विस्तार से रखते हुए इससे जुड़े ऐतिहासिक, धार्मिक और सामाजिक पहलुओं की जानकारी दी गई।

23.24 करोड़ से बनेगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

अकबरपुर तहसील के सिसवा ग्राम को मिली शैक्षिक सौगात

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में शैक्षिक आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। अकबरपुर तहसील के सिसवा ग्राम में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह विद्यालय 23.24 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जाएगा। प्रस्ताव को विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय द्वारा रखा गया था, जिसे स्वीकृति मिल गई है।

यह स्वीकृति बजट सत्र के पहले ही दिन मिलने से क्षेत्र में इसे एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। विद्यालय के निर्माण से अकबरपुर तहसील क्षेत्र में शिक्षा की सुविधाओं को नया विस्तार मिलेगा।

जनपद के जलालपुर, आलापुर और टांडा तहसीलों में भी मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंधित विभागों द्वारा भूमि चयन, प्रस्ताव तैयार करने और अन्य औपचारिकताओं पर कार्य किया जा रहा है।

भीटी तहसील के नरहरपुर में निर्माण कार्य प्रगति पर

वित्तीय वर्ष 2024-25 में तहसील भीटी के नरहरपुर ग्राम में स्वीकृत मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक अब तक लगभग 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य नवंबर माह तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नरहरपुर में निर्माणाधीन विद्यालय के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध होंगी और आसपास के गांवों को भी इसका लाभ मिलेगा।

प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक होगी पढ़ाई

प्रस्तावित मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यालय में आधुनिक कक्षाएं, प्रयोग-शालाएं, पुस्तकालय, खेल सुविधाएं और अन्य आवश्यक शैक्षिक संसाधन विकसित किए जाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मॉडल कंपोजिट विद्यालयों का उद्देश्य एक ही परिसर में सभी स्तरों की शिक्षा उपलब्ध कराना है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

सेफर इंटरनेट डे पर कलेक्ट्रेट में जागरूकता कार्यशाला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और ऑनलाइन जोखिमों को देखते हुए 'सेफर इंटरनेट डे' के अवसर पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में आयोजित हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य साइबर फ्रॉड से बचाव, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

इस वर्ष 'सेफर इंटरनेट डे' की थीम "Smart Tech, Safe Choices – Exploring the Safe and Responsible Use of AI" निर्धारित की गई, जिसके अनुरूप कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर विशेष फोकस किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट राजेश कुमार ने की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा एक गंभीर विषय बन चुका है। सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और आम नागरिकों के लिए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी नई-नई तकनीकों के माध्यम से लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में सतर्कता और जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।

■ साइबर फ्रॉड, डिजिटल ठगी और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार पर दिया गया प्रशिक्षण

विकास कार्यों की लागत का 40 प्रतिशत देगी राज्य सरकार

शुरू हुई मातृभूमि योजना, गांवों के विकास में जनभागीदारी को बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मातृभूमि योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत कोई भी व्यक्ति या संस्था अपने गांव अथवा आसपास के क्षेत्र में विकास कार्य करा सकती है, जिसमें कुल लागत का 40 प्रतिशत सहयोग राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। योजना का उद्देश्य ग्रामीण विकास में जनसहभागिता को बढ़ाना और स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्यों को प्रोत्साहित करना है।

मातृभूमि योजना के अंतर्गत कई प्रकार के विकास कार्य कराए जा सकते हैं। इनमें सामुदायिक केंद्र, ओपन जिम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, तालाबों का सौंदर्यीकरण, अंत्येष्टि स्थल का निर्माण, सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम, बस स्टैंड, टीन शेड, बारात घर, डिजिटल लाइब्रेरी और चारागाह का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही शिक्षा और सामाजिक सुविधाओं से जुड़े कार्य भी योजना के दायरे में रखे गए हैं। स्कूलों और इंटर कॉलेजों में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण, स्मार्ट क्लासरूम, आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए मध्याह्न भोजन रसोई और भंडारण गृह, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, खेलकूद स्टेडियम के लिए व्यायामशाला और खेल उपकरण उपलब्ध कराए जा सकते हैं। योजना के तहत जल उपचारण व्यवस्था, सीवरेज और एसटीपी सिस्टम, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सोलर ऊर्जा, स्ट्रीट लाइट, पेयजल व्यवस्था और पशु सुधार नस्ल केंद्र की स्थापना जैसे कार्य भी कराए जा सकते हैं। इससे गांवों में आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। देश या विदेश में निवास करने वाला कोई भी व्यक्ति या संस्था, जो जनपद के किसी गांव में विकास कार्य कराना चाहता है, वह मातृभूमि योजना के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए शासन द्वारा विशेष पोर्टल https://mbhumi.upprd.in विकसित किया गया है।

> **शासन स्तर से योजना के पोर्टल के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ सकें। अधिकारियों का कहना है कि मातृभूमि योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी और गांवों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा।**

परियोजना का नाम रखने की स्वतंत्रता

प्रभारी जिला पंचायत अधिकारी अनिल सिंह ने बताया कि मातृभूमि योजना की एक विशेष व्यवस्था यह है कि सहयोग करने वाला व्यक्ति या संस्था अपनी पसंद के अनुसार परियोजना या विकास कार्य का नाम रख सकता है। यह सुविधा उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो अपने गांव में विकास कार्य कर अपने पूर्वजों या परिवार के नाम से पहचान बनाना चाहते हैं।

अपूर्ण आवासों पर प्रशासन की सख्ती 307 लाभार्थियों के खिलाफ आरसी जारी

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना में लापरवाही पर 2.81 करोड़ की वसूली शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बार-बार नोटिस और चेतावनी के बावजूद आवास निर्माण पूर्ण न कराने वाले लाभार्थियों के विरुद्ध वसूली की कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण की ओर से कुल 307 लाभार्थियों के खिलाफ आरसी जारी की गई है, जिनसे 2 करोड़ 81 लाख 70 हजार रुपये की वसूली की जाएगी। परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल सिंह के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से 2024-25 तक जिन लाभार्थियों को आवास स्वीकृत किए गए थे, उनमें से कई ने अब तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं कराया। लगातार नोटिस और चेतावनी देने के बाद भी आवास निर्माण में रुचि न लेने वाले 291 लाभार्थियों को चिह्नित करते हुए उनके विरुद्ध आरसी जारी की गई है। अधिकारियों के अनुसार इन लाभार्थियों को शासन की ओर से निर्धारित समय सीमा में आवास निर्माण पूर्ण करना था, लेकिन तय मानकों के अनुरूप कार्य न होने पर यह कार्रवाई की गई है। इसी तरह मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक के अपूर्ण आवासों की समीक्षा की गई। जांच में 16 ऐसे लाभार्थी पाए गए, जिन्होंने निर्धारित अवधि में आवास निर्माण पूरा नहीं कराया। इन सभी के खिलाफ भी आरसी जारी कर दी गई है।

प्रशासन का कहना है कि योजनाओं का उद्देश्य पात्र परिवारों को समय से सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है, लेकिन लापरवाही और अनियमितता को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दोनों योजनाओं को मिलाकर कुल 307 लाभार्थियों के खिलाफ आरसी निर्गत की गई है। इनसे कुल 2,81,70,000 रुपये की वसूली की जानी है। यह राशि उन लाभार्थियों से वसूल की जाएगी, जिन्होंने सरकारी धन प्राप्त करने के बावजूद आवास निर्माण पूरा नहीं कराया। वसूली की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से की जाएगी। संबंधित तहसीलों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि समयबद्ध तरीके से धनराशि की वसूली सुनिश्चित की जा सके।

होली यात्रा शुरू, परिवहन निगम ने बसों के फेरे बढ़ाए

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। होली पर्व के मद्देनजर परदेसियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए परिवहन निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सहालग और तीन मार्च को होली पर्व के अवसर पर शादी-विवाह और अन्य पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए लोगों का आवागमन जोरों पर है।अकबरपुर डिपो से 116 बसों का संचालन विभिन्न रूटों पर किया जा रहा है। पर्व को देखते हुए दिल्ली, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, आजमगढ़, मऊ, बस्ती और अयोध्या के लिए बसों के फेरे बढ़ा दिए गए हैं। परिवहन निगम ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने में कोई बाधा न आए। क्षेत्रीय सहायक प्रबंधक कुंवर हरिओम श्रीवास्तव ने बताया कि यदि यात्रियों की संख्या बढ़ती है तो अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। दिल्ली, कानपुर और लखनऊ रोड पर पहले दस बसें चलती थीं, अब बढ़ी हुई मांग को देखते हुए 15 बसें दौड़ाई जा रही हैं। नई बसों में यात्रियों के मनोरंजन और सुरक्षा के लिए आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है।

कार्रवाई : जलालपुर में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों की अनदेखी पड़ी भारी

बिना अनुमति संचालित ईंट भट्ठा सील

■ अधिकारियों ने भट्ठा परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक अभिलेखों की भी जांच की और अवैध संचालन की पुष्टि होने पर सख्त कदम उठाया।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर उप जिलाधिकारी ने कटका थाना क्षेत्र के भवानी पट्टी गांव में अवैध रूप से संचालित एक ईंट भट्ठे को बंद करा दिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आवश्यक सहमति पत्र प्राप्त किए बिना ईंट उद्योग का संचालन किए जाने पर की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिना वैध अनुमति के किसी भी औद्योगिक इकाई को चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मंगलवार को जलालपुर उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। टीम में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी संजय मिश्रा, खनन विभाग के अधिकारी कमलेश साहू शामिल रहे। कार्रवाई के दौरान अग्निशमन विभाग की सहायता से भट्ठे में पानी डलवाकर संचालन पूरी तरह बंद करा दिया गया। इस मामले में भवानी पट्टी निवासी मंसाराम ने जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया था कि बिना अनुमति संचालित ईंट भट्ठे से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही आसपास के लोगों को धुएं और प्रदूषण के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों ने संयुक्त रूप से जांच कर कार्रवाई को अंजाम दिया। उप जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने बताया कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी के निर्देश पर नियमानुसार की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वाली किसी भी औद्योगिक इकाई को बख्शा नहीं जाएगा। बिना वैध अनुमति के संचालन पाए जाने पर आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

नोटिस के बावजूद दोबारा शुरू हुआ संचालन

जिला पंचायत प्रशासन की ओर से मेसर्स आर.एम. ईंट उद्योग को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सहमति के बिना ईंट भट्ठे का संचालन अवैध है। इसके साथ ही बोर्ड द्वारा पहले भी भट्ठे के संचालन पर रोक लगाने के निर्देश दिए जा चुके थे। इसके बावजूद संबंधित ईंट भट्ठा दोबारा संचालित किया जा रहा था। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया और जिलाधिकारी के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई के आदेश जारी किए गए।

अकबरपुर पुलिस ने तमंचा व कारतूस के साथ युवक को पकड़ा

कदनापुर रोड से गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में केस दर्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस टीम ने सोमवार को शांति व्यवस्था और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश के दौरान एक युवक को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर ग्राम कदनापुर रोड पर की गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक की पहचान शैलेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय रामउजागिर राजभर निवासी मरुई ताजपुर, थाना अकबरपुर, जनपद अम्बेडकरनगर के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 28 वर्ष बताई गई है। तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास से एक तमंचा .315 बोर, दो जिंदा कारतूस .315 बोर और एक कार बरामद की गई। बरामद कार का पंजीकरण नंबर UP42 P9258 है।

पुलिस ने अभियुक्त को दोपहर करीब 13:05 बजे गिरफ्तारी का कारण बताते हुए हिरासत में लिया। बरामदगी के संबंध में अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा संख्या 109/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

■ कार सीज, न्यायालय में पेशी की तैयारी

पुलिस ने बरामद वाहन को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के अंतर्गत सीज कर दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

सम्पादकीय

साइबर ठगी पर सख्ती

साइबर धोखाधड़ी और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट के जरिये लोगों का पैसा हड़प करने के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह सीबीआइ, बैंकों और रिजर्व बैंक के रवैये पर नाराजगी प्रकट की, उससे यही पता चलता है कि लोगों को ठगी से बचाने के लिए जो कुछ किया जाना चाहिए, वह नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तो बहुत ही गंभीर है कि कई मामलों और खासकर डिजिटल अरेस्ट के मामलों में बैंक अधिकारी आरोपितों से मिले होते हैं और इसी कारण साइबर ठग लोगों की जमापूंजी आसानी से हड़प ले रहे हैं। इस टिप्पणी को निराधार नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह देखने में आया है कि ठगी के जरिये इधर-उधर हस्तांतरित की गई रकम को जब्त करने के लिए बैंक समय पर कार्रवाई नहीं करते। समझना कठिन है कि जिन खातों से रकम इधर-उधर की जाती है, उनके खिलाफ बैंक तत्परता के साथ कार्रवाई क्यों नहीं करते? तत्परता का यह अभाव ही बैंकों की भूमिका पर सवाल खड़े करता है। यदि बैंक कर्मचारी सतर्क रहें तो साइबर फ्राड के मामलों पर एक बड़ी हद तक लगाम लग सकती है। बैंकों के पास ऐसा कोई सिस्टम होना ही चाहिए कि यदि किसी खाते से निकली राशि आनन-फानन एक के बाद एक कई अन्य खातों में स्थानांतरित हो रही हो तो वे उसका संज्ञान ले सकें। आम तौर पर ऐसा साइबर धोखाधड़ी के मामले में ही होता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की ओर से रिजर्व बैंक को ऐसे निर्देश देना आवश्यक हो गया था कि वह जिन खातों से धोखे से निकाला गया पैसा इधर-उधर किया जाता है, उन पर संबंधित बैंकों की जवाबदेही तय करे। आखिर अभी तक ऐसा क्यों नहीं किया जा रहा था? चूंकि साइबर ठगी के मामलों में पुलिस एवं अन्य एजेंसियों को तत्परता से कार्रवाई करना आवश्यक होता है और प्रायः इसमें ढिलाई देखने को मिलती है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को सीबीआइ को भी निर्देश देना पड़ा कि ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई की जाए। देखना है कि ऐसा हो पाता है या नहीं, क्योंकि साइबर ठगी के मामले जिस तरह बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए इसमें संदेह है कि सीबीआइ उन सबकी जांच करने में सक्षम होगी। स्पष्ट है कि पुलिस को भी साइबर ठगी के मामलों की जांच में समर्थ होना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने साइबर ठगी रोकने के लिए गृह मंत्रालय, रिजर्व बैंक और टेलीकाम अथारिटी के बीच तालमेल बढ़ाने की आवश्यकता जताई और इस संदर्भ में स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर पूरे देश में लागू करने के निर्देश दिए। अच्छा होता कि सरकार अब तक यह काम अपने स्तर पर ही कर लेती। वह इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकती कि डिजिटल धोखाधड़ी से 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़पी जा चुकी है। यह राशि कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है।

जनकपुरी हादसे से इंसानियत शर्मिंदा है

> अब इस दुर्घटना को लेकर जो खुलासे हुए हैं, उससे न सिर्फ व्यवस्था की लापरवाही सामने आ रही है बल्कि संबंधित लोगों की असंवेदनशीलता भी प्रकट हो गई है। इस खुलासे से ऐसे लग रहा है कि लोगों में इंसानियत खत्म हो गई है।

भारत में दुर्घटनाओं में लोगों की मौत होना एक सामान्य खबर है। इसके लिए लोगों की लापरवाही ही ज्यादातर जिम्मेदार होती है। ऐसा नहीं है कि लोग सिर्फ अपनी लापरवाही के कारण ही मारे जाते हैं बल्कि सच्चाई यह है कि दूसरों की गलतियों के कारण मरने वालों की संख्या ज्यादा है। इन दुर्घटनाओं के लिए सरकारी व्यवस्था की जिम्मेदारी से भी इंकार नहीं किया जा सकता। अगर सड़क दुर्घटनाओं की बात करें तो 2024 में इसके कारण 1.80 लाख लोगों ने अपनी जान गंवा दी । देखा जाए तो इस तरह हर रोज 485 लोग सड़क दुर्घटनाओं के कारण असमय मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। दुर्घटनाओं को कम करने की कोशिश सरकार द्वारा की जा रही है लेकिन लोगों की लापरवाही इसमें बाधा बन रही है। सवाल यह है कि जब कोई दुर्घटना होती है तो क्या सरकारी व्यवस्था और आम जनता अपनी जिम्मेदारी सही तरह से निभाती है ।

भारत में निर्माण कार्यों के लिए सड़क और उसके आसपास खुदाई की जाती है, जिनके गड्ढो में गिरकर कितने ही लोग अपनी जान गंवा देते हैं । 16 जनवरी को नोएडा के सेक्टर 150 में एक दर्दनाक हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत हो गई थी। घने कोहरे के कारण उनकी कार सड़क किनारे निर्माण कार्य हेतु खोदे गए बड़े गड्ढे में गिर गयी थी जो कि पानी से भरा हुआ था। निर्माण कंपनी ने वहां कोई साइन बोर्ड तक नहीं लगाया हुआ था और न ही ऐसी बैरिकेडिंग की गई थी कि जिससे वाहनचालकों को खतरे का पता चल जाये। संबंधित सरकारी विभागों ने भी अपनी जिम्मेदारी की पूरी तरह से अनदेखी की हुई थी। इसके अलावा महत्वपूर्ण बात यह है कि घटनास्थल पर पूरा सरकारी अमला होने के बावजूद युवराज की जान नहीं बचाई जा सकी। जिन कर्मचारियों को युवराज की जान बचानी थी, वो ठंडे पानी के डर से दूर बैठे तमाशा देखते रहे और युवराज मौत के मुंह में चले गए। इस घटना को हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है, ऐसी ही एक घटना और सामने आ गयी है। 5 फरवरी को दिल्ली जलबोर्ड द्वारा सड़क पर खोदे गए गड्ढे में बाइक सवार एक युवक कमल ध्यानी की गिरकर मौत हो गई है । कमल एक निजी बैंक में सहायक प्रबंधक के पद पर कार्यरत था जो कि शाम को अपने घर वापस जा रहा था। वो रोज उसी रास्ते से घर जाता था लेकिन उसे पता नहीं चला कि दिन में जलबोर्ड द्वारा सड़क में गहरा गड्ढा खोद दिया गया है। सड़क पर बैरिकेडिंग की गई थी लेकिन उसके बीच इतना रास्ता छोड़ दिया गया था कि मोटर साईकिल निकल सकती थी। शॉर्टकट के चक्कर में कमल सड़क के बीच खोदे गए गड्ढे में गिर गए और उनकी बाइक उनके ऊपर गिर गई। कई घंटों तक कमल उस गड्ढे में पड़े मौत से लड़ते रहे लेकिन जीत नहीं पाए। एक व्यक्ति मर रहा था लेकिन लोग जिम्मेदारियों से दूर भाग रहे थे। अगर कमल को समय पर इलाज मिल जाता तो उनकी जान भी बचाई जा सकती थी। घटनास्थल के पास एक कैफ़े के सीसीटीवी फुटेज में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। यह घटना रात को 12 बजे हुई थी. बाइक सवार कमल ध्यानी अपनी बाइक सहित गड्ढे में गिरे तो वहां से एक कार में एक परिवार गुजर रहा था। कार चालक विपिन ने अपनी कार तुरंत रोक दी और देखा कि एक गड्ढे में कमल बाइक के नीचे दबे हुए हैं और उनकी बाइक की लाइट जल रही थी। विपिन ने तुरंत कैफे के बाहर खड़े सुरक्षाकर्मी देशराज को कमल के गड्ढे में गिरने की जानकारी दी । सुरक्षाकर्मी देशराज ने वहां मौजूद दिल्ली जलबोर्ड के कर्मचारी योगेश को घटना की जानकारी दी। योगेश ने फोन करके इस घटना की जानकारी जलबोर्ड के ठेकेदार राजेश प्रजापति को दे दी। इसके बाद कार सवार विपिन घटनास्थल से अपने घर चले गए। योगेश अपनी झुग्गी में जाकर सो गया और सुरक्षाकर्मी देशराज कैफे में जाकर बैठ गया।

सूचना मिलने के बाद ठेकेदार राजेश अपने घर से घटनास्थल पर आया और कमल को गड्ढे में गिरा हुआ देखा। राजेश ने कमल को गड्ढे से बाहर निकालने की कोई कोशिश नहीं की और न ही उसने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। वो कमल को गड्ढे में गिरा हुआ देखकर भी उसे छोड़कर अपने घर चला गया। वो गड्ढा 14 फीट गहरा और 20 फीट लंबा था, घायल कमल उसमें से खुद नहीं निकल सकते थे और न ही कोई अकेला आदमी उन्हें उस गड्ढे से बाहर निकाल सकता था। इन लोगों का एक आदमी को मरते हुए यूं छोड़कर चले जाना बेहद शर्मनाक घटना है। ऐसा लगता है कि किसी में इंसानियत नाम की चीज ही नहीं थी। इनमें से सिर्फ कार चालक विपिन का चले जाना समझ आता है क्योंकि वो परिवार के साथ वहां ज्यादा देर तक रुककर क्या करते । दूसरी बात है कि उन्होंने संबंधित लोगों तक घटना की जानकारी पहुंचा दी थी। वैसे अच्छा होता कि विपिन घटना की जानकारी पुलिस को भी दे देते। अगर वो ऐसा करते तो ज्यादा अच्छा होता. उन्होंने भी सारी जिम्मेदारी गार्ड और कर्मचारी पर डालकर वो जगह छोड़ दी।

पहला सवाल उस गार्ड पर उठता है जो घटनास्थल के पास बैठा रहा । उसने कमल को बचाने की कोई कोशिश नहीं की। घटनास्थल पर मौजूद होने पर उसकी पहली जिम्मेदारी थी, कि वो इस घटना की जानकारी पुलिस को देता। कमल के परिजनों ने कमल की गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दे दी, इसलिए पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। गार्ड ने यह भी जानने की कोशिश नहीं की, कि योगेश और राजेश ने पीड़ित को गड्ढे से बाहर निकालने का कोई इंतजाम किया है या नहीं । वो आराम से बैठा हुआ देखता रहा. जब घटनास्थल पर कोई हलचल नहीं हो रही थी तो उसे पुलिस को सूचना देनी चाहिए थी। योगेश और राजेश ने तो इंसानियत को बहुत शर्मिंदा कर दिया है क्योंकि वो तो सीधे इस घटना से जुड़े हुए थे।

– राजेश कुमार पासी

आखिर इसके त्वरित...

कमलेश पांडेय

ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन एंड रेगुलेशन अधिनियम 2025 के नीतिगत मायने बेहद अहम

ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 में रियल मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाने से सरकार और स्टेकहोल्डर्स दोनों को अल्पकालिक व दीर्घकालिक नुकसान हुआ है हालांकि सरकार इसे सामाजिक सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम मानती है जबकि उद्योग जगत दीर्घकालिक हानि का दावा करता है। आंकड़े बताते हैं कि आम बजट 2026 और उससे ठीक पहले आए आर्थिक सर्वे भी केंद्र सरकार के बढ़ते वित्तीय घाटे की ओर इशारा कर चुके हैं, इसलिए बेहतर तो यह होता कि मोदी सरकार ऐसे द्विपक्षीय हानिप्रद फैसले लेने से पहले इससे जुड़े उद्योग जगत व अन्य स्टेक होल्डर्स से उन्मुक्त हृदय से बातचीत के बाद ही किसी अंतिम नतीजे पर पहुंचती।

जहां तक सरकार को नुकसान की बात है तो सरकार को सालाना 15,000-20,000 करोड़ जीएसटी (GST) राजस्व का सीधा नुकसान हुआ क्योंकि रियल मनी सेक्टर 86% राजस्व का स्रोत था। वहीं, इस क्षेत्र में सक्रिय 400+ कंपनियों के बंद होने से कॉर्पोरेट टैक्स और FDI (25,000 करोड़) प्रभावित हुए। जहां तक स्टेकहोल्डर्स को हानि की बात है तो रियल मनी गेम्स

सेक्टर में 2 लाख नौकरियां (प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से) खतरे में हैं जिसमें डेवलपर्स, मार्केटर्स और फिनटेक शामिल हैं जिससे 50 करोड़ गेमर्स अवैध ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं जिससे धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग बढ़ने के आसार प्रबल हैं। हालांकि, सरकार ने अपने निर्णय के बचाव में तर्क दिया है कि 45 करोड़ लोगों को 20,000 करोड़ का नुकसान हुआ था जबकि नए प्रतिबंध से ई-स्पोर्ट्स ($1-2 बिलियन) मजबूत होगा। इस प्रकार लंबे समय में नया राजस्व (टूर्नामेंट्स, स्पॉन्सरशिप) नुकसान की भरपाई करेगा।

बताया जाता है कि जिस तरह से ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 को अगस्त 2025 में संसद के दोनों सदनों से मात्र दो दिनों में पारित किया गया, वह त्वरित निर्णय है, जिसने 'रियल मनी गेम्स' पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया, जो अर्थव्यवस्था पर कई दुष्प्रभाव डाल चुका है और आगे भी पड़ेगा।

जहां तक नौकरियों पर प्रभाव की बात है तो इससे लगभग 2 लाख प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं, क्योंकि 400 से अधिक कंपनियां बंद होने की कगार पर हैं। इंडस्ट्री बॉडीज के अनुसार, $25 अरब डॉलर के सेक्टर का बड़ा हिस्सा रियल मनी गेमिंग था, जिसका अचानक अंत होने से मानव संसाधन संकट पैदा हो गया। वहीं, जहां तक सरकारी राजस्व हानि की बात है तो सरकार को सालाना 20,000-25,000 करोड़ रुपये के टैक्स रेवेन्यू का नुकसान हो सकता है, जिसमें जीएसटी (GST) प्रमुख है। इससे डिजिटल इकोसिस्टम जैसे फिनटेक, विज्ञापन और कंटेंट क्रिएशन प्रभावित हुए हैं।

दिलचस्प तो यह कि सरकार के तुगलकी फैसलों का असर भारत में होने वाले विदेशी निवेश पर भी पड़ेगा। इसलिए जहां तक निवेश प्रभाव की बात है तो देश में होने वाले 25,000 करोड़ के विदेशी निवेश (FDI) पर असर पड़ा है, क्योंकि नीतिगत अनिश्चितता से निवेशक पीछे हट रहे हैं।

आखिर इसके त्वरित पारित होने से परामर्श की कमी ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में विश्वास कमजोर किया। वहीं, जहां तक अन्य जोखिम की बात है तो उपभोक्ता अवैध ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स या ग्रे मार्केट की ओर मुड़ सकते हैं, जिससे धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग बढ़ सकता है। हालांकि ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन समग्र आर्थिक नुकसान प्रमुख चिंता है।

यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन एंड रेगुलेशन) अधिनियम, 2025 पर सरकार ने उद्योग संगठनों को स्टेकहोल्डर मीटिंग्स, संसदीय बहस और आधिकारिक बयानों के माध्यम से आश्वासन दिए। जिसमें मुख्य फोकस रियल मनी गेमिंग प्रतिबंध के बावजूद स्किल-बेस्ड सेक्टर की सुरक्षा और विकास पर था। इसलिए संक्रमणकालीन समर्थन देते हुए सरकार ने 6-12 महीने का ट्रांजिशन पीरियड घोषित किया, जिसमें प्रभावित कंपनियों को लाइसेंस कन्वर्जन और रिस्किलिंग फंड की सुविधा दी गई।

लोकतंत्र में...

ललित गर्ग

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है।

फिर दोराहे पर खड़ा बांग्लादेश

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने जा रहे आम चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कस चुके हैं। चुनावी परिणाम ही नए बांग्लादेश की दिशा निर्धारित करेंगे। इस बार अवामी लीग प्रतिबंध के कारण चुनाव से बाहर है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना फिर भी चुनावी विमर्श का प्रमुख मुद्दा बनी हुई हैं। पिछले तीन दशकों में यह पहला अवसर है, जब बांग्लादेश की 'दो बेगमों'-अवामी लीग की शेख हसीना और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की खालिदा जिया चुनावी मैदान में नहीं हैं।

ऐसे में यह चुनाव नए राजनीतिक समीकरणों के बीच लड़ा जा रहा है। 13वें संसदीय चुनाव में युवाओं की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि 2024 में जुलाई में शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन और उनके इस्तीफे में यही वर्ग सबसे आगे रहा। वर्तमान में 18-35 आयु वर्ग की आबादी लगभग 30 प्रतिशत है, जो आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया से लैस है और जुलाई आंदोलन का प्रमुख प्रतिनिधि मानी जाती है। सवाल यह है कि क्या यह युवा वर्ग छात्र आंदोलन से उभरी जातीय नागरिक पार्टी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी (एनसीपी) को समर्थन देगा या पारंपरिक दल अपने प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक मजबूती के बल पर फिर सत्ता में लौटेंगे? लंदन में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान ने बीएनपी की कमान संभाली है। पिछले साल 25 दिसंबर को उनकी बांग्लादेश वापसी के दौरान उमड़ी भीड़ से स्पष्ट हुआ कि 2024 के आंदोलन का राजनीतिक लाभ बीएनपी को मिला है और आगामी चुनावों में उससे काफी उम्मीदें हैं। ढाका पहुंचने पर तारिक रहमान ने कहा, 'आइ हैव ए प्लान यानी मेरे पास बांग्लादेश के विकास की योजना है।' इसी आधार पर पार्टी ने अपने घोषणा पत्र सबसे पहले राष्ट्रीय बदलाव, सामाजिक समानता, आर्थिक स्थिरता, क्षेत्रीय विकास और धार्मिक सौहार्द जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी है।

ऋषि गुप्ता

जरा हटके

राष्ट्रपति मुर्मू ने ...

रामस्वरूप रावतसरे

राष्ट्रवाद के साथ जनजातीय संस्कृति के उत्सव की बयार

छत्तीसगढ़ का बस्तर कभी वामपंथी आतंकवाद के लिए कुख्यात रहा है। अब यहाँ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की आवाज गूँज रही है और सुनने वालों में पूर्व नक्सली भी थे। 'बस्तर पंडुम' के जरिए माँ दंतेश्वरी की इस पुण्यभूमि की समृद्ध जनजातीय संस्कृति-विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने 7 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के सबसे बड़े उत्सव 'बस्तर पंडुम' का आज जगदलपुर में उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर के लोग जीवन को उत्सव की तरह जीते हैं और यह महोत्सव दुनिया को बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति की झलक देता है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और अन्य मंत्री मौजूद रहे।

'बस्तर पंडुम' महोत्सव को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें छत्तीसगढ़ आना, अपने घर आने जैसा लगता है। उन्होंने कहा, "बस्तर की सुंदरता को देखकर लगता है कि माँ दंतेश्वरी ने स्वयं इसे अपने हाथों से सजाया है।" राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ सरकार की तारीफ करते हुए कहा, "इस वर्ष के पंडुम में पचास हजार से अधिक लोगों द्वारा जनजातीय संस्कृति तथा जीवन-शैली से जुड़े अनेक प्रदर्शन किए जाएँगे। बस्तर की जनजातीय संस्कृति से देशवासियों को अवगत कराने के इस महत्वपूर्ण प्रयास के लिए मैं छत्तीसगढ़ सरकार की सराहना करती हूं।" राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन के दौरान माओवाद से मुख्य धारा में लौट रहे बस्तर की सुंदरता की तारीफ की और कहा कि यहाँ विकास का नया सूर्यादय हो रहा है। उन्होंने कहा, "माओवाद के कारण यहाँ के निवासियों ने अनेक कष्ट झेले। सबसे ज्यादा नुकसान यहाँ के युवाओं, आदिवासियों और दलित भाई-बहनों को हुआ। भारत सरकार की माओवादी आतंक पर निर्णायक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वर्षों से व्याप्त असुरक्षा, भय और अविश्वास का वातावरण अब समाप्त हो रहा है। माओवाद से जुड़े लोग हिंसा का रास्ता छोड़ रहे हैं जिससे नागरिकों के जीवन में शांति लौट रही है।"

उन्होंने कहा, "बड़ी संख्या में नक्सलियों ने हथियार छोड़े हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि जो लोग हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे हैं, वो सामान्य जीवन जी सकें। उनके लिए अनेक विकास और कल्याणकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। राज्य सरकार की 'नियद नेल्लानार योजना' ग्रामीणों के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सरकार के प्रयास और इस क्षेत्र के लोगों के सहयोग के बल पर आज बस्तर में विकास का नया सूर्यादय हो रहा है। गाँव-गाँव में बिजली, सड़क, पानी की सुविधा उपलब्ध हो रही है। वर्षों से बंद विद्यालय फिर से खुल रहे हैं और बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।" राष्ट्रपति ने नक्सलवाद छोड़ मुख्यधारा में लौटे लोगों से देश के संविधान और लोकतंत्र में आस्था रखने की अपील करते हुए कहा, "यह लोकतंत्र की ताकत ही है कि ओडिशा के एक छोटे से गाँव की यह बेटी, भारत की राष्ट्रपति के रूप में आपको संबोधित कर रही है।"

लोहवर्णिक की कथा

कुछ लोग मिले । उनके घर में आर्थिक तंगी हैं । घर में समस्या रहती हैं । वह सोचे हम भी कहीं बाहर चलें कुछ कमा कर लाएं । लोग धन कमाने को दूर- दूर प्रदेशों में जातें हैं । अतः हम भी चलें । ऐसे चिन्तन कर वे एक विशाल जंगल में चले गए । जहां पहाड़ियां और खदानें थी । वे वहां पहुंच गए । पहाड़ियो और खदानों में बहुत- बहुत धन छिपा होता हैं । वह बहुत लोग अफ्रीका जातें हैं । वहां बहुत सारी खदानें मिलती हैं । उनमें बहुमूल्य धन मिलता हैं । खदानों में अपार धन छिपा हुआ पड़ा हैं । वे चलते- चलते उस खदान पर पहुंचे जहां लोहा था । सबने सोचा की हमें धन मिल गया हैं । वह जितना लोहे का गट्ठर हम बांध सकें उतना बांध लें । हम फिर आगे चलेंगे । सबने लोहे का गट्ठर बांध लिए। वे कुछ आगे चलें की तांबे की खान आ गईं । वह तांबे की खदान के आगे रुके । वह सोचा कि हमने पहले पहले लोहा ले लिया हैं । अब तांबा सामने हैं । लोहे से ज्यादा तांबा कीमती हैं। वह लोहे को डाल दो तांबे की गठरियां बांध ली । वह केवल एक व्यक्ति खड़ा रहा । उसने लोहे की गठरी को नहीं फेंका । उसे लोगों ने समझाया कि हम सब साथी है । हमने तांबा ले लिया हैं । तुम भी लोहे का भार यही छोड़ दो । तांबे की गठरी बांध लो । वह अच्छा धन का लाभ मिलेगा ।वह बोला मैं तुम्हारे जैसा कमजोर मन वाला नहीं हूं । पहले लोहा आया तो लोहे की गठरी बांध ली । अब तांबा आया तो उसकी बांध लुं । वह जो ले लिया वह ले लिया । इसे नहीं छोड़ूगा । उसे लोगो ने समझाया पर वह नहीं माना । वे आगे चले तो सोने की खान आ गईं । सब लोगों ने तांबे को फेंक दिया । सोने की गठरियां बांध ली । सब लोगों ने उसे फिर समझाया भाई ! तुमने तांबा नहीं लिया कोई बात नहीं । तुम भी भार भरे और हम भी भार भर रहें हैं । वह अब उसे छोड़ दो सोना ले लो । वह बोला मैंने तो अपनी बात साफ़ कह दी । तुम सब लोभी हो , कमजोर मन वाले हो , मैं ऐसा नहीं हूं । मैंने जो ले लिया वह ले लिया । उसे मैं नहीं छोड़ंगा । वह तुम अपना काम करों । वे आगे चलें । वे कुछ आगे चले तो उनको रत्नों की खान मिली । सबने सोने को फेंक दिया । रत्नों की गठरी बांध ली ।

› प्रदीप छाजेड़

पति-पत्नी, 3 बच्चे, किचन की दीवार समेत 3 जगह सुसाइड नोट मिले, मौत की 2 थ्योरी

मथुरा में परिवार के 5 लोगों की मिली लाश

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा में एक ही कमरे से एक परिवार के 5 लोगों की लाशें मिलीं। मृतकों में पति, पत्नी और 3 बच्चे शामिल हैं। कमरे में बेड पर मां, एक बेटी-बेटा मिले। दूसरी बेटी चारपाई पर पड़ी थी, जबकि पति का शव फर्श पर मिला।

इस मामले में पुलिस की 2 थ्योरी सामने आई हैं। पहली- पति-पत्नी और बच्चों ने दूध में जहर मिलाकर पी लिया। दूसरी- पति ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर बच्चों की जान ली। बाद में खुद करंट लगाकर आत्महत्या कर ली।

SSP श्लोक कुमार ने बताया कि घटना का पता उस समय चला, जब

यह मनीष और उनकी पत्नी सीमा की तस्वीर है। सीमा हाथरस जिले की रहने वाली थी।

सुबह बच्चे दिखाई नहीं दिए। इस पर पड़ोस में रहने वाले मनीष के भाई जयकिशन मौके पर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद होने की वजह से जयकिशन मेन गेट फांदकर अंदर गए। फिर कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर सभी मृत पड़े मिले। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस को 2 सुसाइड नोट और एक वीडियो मिला है। पहला रसोई की दीवार पर लिखा था।

ये तीनों बच्चों की फोटो है। बीच में बड़ी बेटी हनी है। बाएं उसका भाई प्रतीक और दाएं प्रियांशी है।

इसमें कहा गया- मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मरे हैं। पुलिस किसी को परेशान न करे। दूसरा नोट कागज पर मिला, उसमें भी यही बातें लिखी हैं। वहीं, सुसाइड से पहले का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें मनीष ने दुखों से परेशान होकर जान देने की बात कही है। पुलिस तंत्र-मंत्र के एंगल पर भी जांच कर रही है। उस मंदिर के पुजारी को हिरासत में लिया गया है, जहां मनीष अक्सर पूजा करने जाते थे। मनीष खेती करते थे। हाल ही में उन्होंने 19 लाख रुपए का प्लॉट बेचा था। इसमें से 12 लाख रुपए खाते में आ चुके थे।

पति का आखिरी वीडियो सामने आया

मनीष का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें मनीष कहते हुए नजर आ रहे हैं, "मैं मनीष कुमार हूं। हम अपनी मर्जी से मर रहे हैं। हम लोग अपने दुखों से बहुत परेशान हैं और अपनी मर्जी से जान दे रहे हैं। पुलिस किसी को भी परेशान न करे, न हमारे घरवालों को और न ही बाहर वालों को। इसमें किसी की कोई गलती नहीं है। सभी लोगों से निवेदन है कि सब लोग अच्छे से रहें। मैंने अपनी जमीन बेची थी, उसके 12 लाख 60 हजार रुपए मिल गए हैं। उन्हें भी परेशान न किया जाए।"

मनीष की शादी हाथरस के मढ़नई गांव में हुई थी। पत्नी सीमा अपने मायके की इकलौती बेटी थी। ससुर के पास 3 बीघा खेती है, जो मनीष को ही मिलती। मनीष के पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। उनके दो भाई सुधीर और जयकिशन हैं, जो घर के बगल में ही रहते हैं।

मंदिर के पुजारी बोले- तंत्र-मंत्र की बात गलत

जय मां हवेली वाली माता रानी मंदिर के मुख्य पुजारी करूआ बाबा ने बताया कि मनीष मंदिर में पूजा करने आते थे। उन्होंने करीब तीन साल पहले शराब पीना भी छोड़ दिया था। वह बहुत ही नेक इंसान थे। करूआ बाबा ने कहा कि जब मंदिर में लिंटर पड़ा था, तब मनीष ने यहां काम भी किया था। तंत्र-मंत्र से जुड़ी बातें पूरी तरह गलत हैं। मनीष को तंत्र-मंत्र की कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया, यह हमें भी समझ नहीं आ रहा है।

जिस अस्पताल में मासूम जिंदा जली, उसका लाइसेंस रद्द

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर। कानपुर के राजा नर्सिंग होम का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। NICU को सील कर दिया गया। वहीं, अस्पताल के डॉक्टरों पर केस दर्ज कर लिया गया है। यह कार्रवाई डीएम के आदेश पर सीएमओ ने की। CMO ने बताया कि अस्पताल में बगैर अनुमति के NICU चल रहा था। एक्सपायर अग्निशमन यंत्र मिले।

सीएमओ ने बताया कि एनआई-सीयू यूनिट को सील कर दिया गया है। अस्पताल को पूरी तरह बंद रखने के आदेश हैं। प्रबंधन को नोटिस जारी कर 3 दिन में जवाब मांगा गया है। दरअसल, रविवार को NICU के वॉर्मर मशीन में आग लग गई।

इससे उसमें भर्ती एक मासूम बच्ची जिंदा जल गई। उसका पूरा शरीर जलकर काला हो गया। उसकी चमड़ी उधड़ गईं। चेहरा, छाती, पेट, जांघ बुरी तरह झुलस गया। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। तोड़फोड़

एनआईसीयू का परमिशन नहीं था, पिता बोले- जिसका चेहरा देखना था उसकी लाश मिली

की थी। बाकरगंज निवासी अरुण निषाद प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी बिट्टू है। अरुण निषाद ने बताया- रविवार सुबह पत्नी को लेबर पेन हुआ। उन्हें राजा हॉस्पिटल लेकर आए। डॉक्टर ने ऑपरेशन करने की बात कही। दोपहर करीब 4 बजे ऑपरेशन के बाद बिट्टू ने बेटी को जन्म दिया। बिट्टू की ये पहली संतान थी।

डॉक्टरों ने पत्नी को वार्ड में शिफ्ट कर दिया। बेटी को हॉस्पिटल के NICU में भर्ती करा दिया।

फास्ट न्यूज

चाइनीज मांझे से बाइक सवार का चेहरा कटा

बाराबंकी। बाराबंकी में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक का चेहरा गंभीर रूप से कट गया। हादसे में युवक सड़क पर गिर गया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब शासन द्वारा चाइनीज मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध है, लेकिन इसकी बिक्री अभी भी जारी है।

लोधेश्वर जल चढ़ाने जा रहे दोस्तों का लखनऊ में एक्सीडेंट

लखनऊ। लखनऊ के अयोध्या रोड पर दो दोस्तों का एक्सीडेंट हो गया। वे कानपुर से बाराबंकी लोधेश्वर महादेव मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे थे। अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें बिठूर विधायक के करीबी युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरे की हालत गंभीर है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। घायल युवक का लोहिया संस्थान में इलाज चल रहा है।

मृतक की पहचान कानपुर के रामनगर निवासी 32 वर्षीय अमित कुमार पांडेय के रूप में हुई। वहीं, उनके दोस्त आमोद बाजपेई गंभीर रूप से घायल हैं।

महाकुंभ गर्ल मोनालिसा की फिल्म का ट्रेलर लॉन्च

प्रयागराज । महाकुंभ में माला बेचने के दौरान वायरल हुई मोनालिसा की फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' का ट्रेलर लॉन्च हो गया। ट्रेलर सिविल लाइंस के एक होटल में लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म की हीरोइन मोनालिसा, हीरो अमित राव, अभिषेक त्रिपाठी, दिनेश त्रिवेदी और डायरेक्टर सनोज मिश्रा मौजूद रहे।

यूनियन बैंक में किसान से लाखों की धोखाधड़ी तत्कालीन शाखा प्रबंधक

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की फतेहपुर शाखा में एक किसान के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी और जालसाजी का गंभीर मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर फतेहपुर कोतवाली में बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक, कैशियर तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मामला मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के पंडित पुरवा हरक्का निवासी 60 वर्षीय किसान विश्वनाथ से जुड़ा है। पीड़ित किसान ने आरोप लगाया है कि उनका यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की फतेहपुर शाखा में बचत खाता तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाता संचालित है। बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से उनके खाते से बिना उनकी जानकारी और बिना हस्ताक्षर के लूज लीफ चेक के माध्यम से नकद धनराशि का भुगतान कर लिया गया। किसान का कहना है कि उन्होंने न तो किसी प्रकार का चेक जारी किया और न ही स्वयं बैंक से कोई धनराशि निकाली। इसके बावजूद खाते से रकम निकल गई, जिसकी जानकारी उन्हें काफी समय बाद हुई। पीड़ित के अनुसार, दिनांक 29 मई 2021 को उनके किसान क्रेडिट कार्ड खाते में 2.59 लाख रुपये जमा किए गए थे। इसके बाद काफी समय तक उन्होंने खाते की स्थिति की जांच नहीं की। दिनांक 23 जुलाई 2024 को बैंक की ओर से नोटिस मिलने पर वह शाखा पहुंचे, जहां बैंक कर्मियों ने उन्हें यह कहकर आश्वस्त कर दिया कि खाता पूरी तरह सही है और नोटिस सामान्य प्रक्रिया के तहत जारी होती है। हालांकि, 9 सितंबर 2024 को पुनः नोटिस मिलने पर उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI) के तहत बैंक से जानकारी मांगी, जिसमें खुलासा हुआ कि उनके खाते से फर्जी हस्ताक्षर बनाकर लूज लीफ चेक के माध्यम से नकद भुगतान किया गया है।

उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, नवीनतम यंत्रों और जैविक खेती को प्रोत्साहन

'कृषि एवं पर्यावरण' विषय पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान फरीदपुर में 9 व 10 फरवरी को ₹कृषि एवं पर्यावरण₹ विषय पर दो दिवसीय भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिन डायट एवं निजी कालेजों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे डी एल एड प्रशिक्षुओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया, जबकि द्वितीय दिवस में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, नवीनतम यंत्रों और जैविक खेती को प्रोत्साहित करना था।प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान की प्राचार्या दीप्ति वार्ष्णेय , वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार एवं नोडल प्रवक्ता आकांक्षा

द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया, प्रथम दिन निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में डॉ.कुलदीप विश्नोई प्रधानाध्यापक,आदर्श निकेतन इंटर कॉलेज आटामांडा, बरेली से डॉ हेमंत कुमार सिंह प्रवक्ता,आर.पी.इंटर कॉलेज मीरगंज, बरेली तथा डॉ. अजब सिंह प्रवक्ता चौधरी हरनाम सिंह महाविद्यालय भुता उपस्थित रहे।जबकि दूसरे दिन के कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ निष्ठा सेठ,एसोसिएट प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग बरेली कॉलेज बरेली , डॉ राजेश कुमारएसोसिएट प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान विभाग बरेली कॉलेज बरेली , डॉ आर एन सागरप्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान,IVRI इज्जत नगर उपस्थित रहें,कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रशिक्षु एवं शिक्षक उपस्थित रहे।प्रदर्शनी में विभिन्न कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, उर्वरकों, सिंचाई उपकरणों, जैविक उत्पादों और नवीनतम तकनीकों को प्रशिक्षुओं ने अत्यंत बेहतरीन व सुनियोजित ढंग से प्रदर्शित किया गया। अपने मॉडल के संदर्भ में प्रशिक्षुओं द्वारा किसान, उन्नत खेती, जल संरक्षण, कीट नियंत्रण तथा फसल विविधी-करण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए अपनी बात रखी गई।

प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया

कार्यक्रम के अंत में श्री मनोज कुमार वरिष्ठ प्रवक्ता डायट फरीदपुर बरेली एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों के द्वारा प्रथम तीन बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत करने वाले प्रशिक्षुओं को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया, और भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया,और निर्णायक मंडल के सदस्यों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके बाद नोडल प्रवक्ता आकांक्षा प्रवक्ता समाज कार्य ने सभी आगंतुकों एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का आयोजन क्रिशल फाउंडेशन के सेंटर मैनेजर लवकुश कुमार द्वारा किया गया

केवाईसी जागरूकता शिविर का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। वित्तीय साक्षरता और सुरक्षित बैंकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वित्तीय जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकोहना में एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर नाबार्ड के तत्वावधान में तथा क्रिशल फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों को बैंकिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम का आयोजन क्रिशल फाउंडेशन के सेंटर मैनेजर लवकुश कुमार द्वारा किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों को बैंक केवाईसी से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई तथा केवाईसी अपडेट न होने से होने वाली समस्याओं और इसके लाभों पर

प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि समय पर केवाईसी पूर्ण होने से बैंक खातों की सुरक्षा बनी रहती है और सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता है। शिविर में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक श्री नितिन कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने केन्द्रीय केवाईसी रजिस्ट्री के महत्व को समझाते हुए बताया कि एक बार केवाईसी रजिस्ट्रेशन हो जाने के बाद ग्राहकों को बार-बार दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। साथ ही उन्होंने सुरक्षित बैंकिंग, डिजिटल लेन-देन में सावधानी और धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान पिंकी मौर्या, बैंक मित्र वेद प्रकाश, सुनीला कुमारी, गुड़िया, गीता, निर्मला, रामराज, नरेंद्र कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं संभ्रांतजन उपस्थित रहे। उपस्थित ग्रामीणों ने शिविर को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से उन्हें बैंकिंग प्रक्रिया को समझने में काफी मदद मिलती है।शिविर के अंत में लोगों से अपील की गई कि वे समय-समय पर अपनी केवाईसी अपडेट कराएं, किसी भी प्रकार की बैंकिंग समस्या में सीधे बैंक या अधिकृत बैंक मित्र से संपर्क करें और अपने खाते की जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें।

> **इस अवसर पर फील्ड कोऑर्डिनेटर विवेकानंद (रामनगर) ने खाता स्वच्छता एवं वित्तीय अनुशासन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को अपने बैंक खातों को सक्रिय रखने, अनावश्यक खातों को बंद कराने, लेन-देन का नियमित रिकॉर्ड रखने तथा बैंकिंग नियमों का पालन करने की सलाह दी।**

श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई श्री हनुमान जी महाराज की भव्य प्राण प्रतिष्ठा

शोभा यात्रा ने बनाया भक्तिमय माहौल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मसुरिहा में मंगलवार को धार्मिक आस्था और वैदिक परंपराओं के अनुरूप श्री हनुमान जी महाराज की मूर्ति की भव्य प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन पूरे विधि-विधान एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा और गूंजते जयकारों से पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया।

प्रातःकाल से ही गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शोभा यात्रा ग्राम मसुरिहा से प्रारंभ होकर ककरहा घाट स्थित सुमली नदी तक पहुंची, जहां विधिवत धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके पश्चात शोभा यात्रा पुनः ग्राम मसुरिहा स्थित नवनिर्मित मंदिर परिसर में पहुंची। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और "जय श्रीराम" एवं "जय बजरंग-

बली" के गगनभेदी नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

इस पावन प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मुख्य यजमान मंशाराम शर्मा रहे। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आचार्य नीरज कृष्ण शास्त्री (श्रीधाम वृन्दावन) एवं आचार्य देव कृष्ण शास्त्री द्वारा विधिपूर्वक हवन, पूजन एवं प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने हनुमान जी महाराज से सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विशेष रूप से मुन्ना सिंह (पूर्व प्रधान), नीरज मिश्रा, प्यारे लाल शर्मा, प्रभात शर्मा, गोलू सिंह, बृजेश कुमार सिंह सहित अनेक ग्रामीणों ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया।

साथ ही सामाजिक एवं संगठना-त्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इनमें दीपक मिश्रा (जिला उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना, बाराबंकी), अंकुर शर्मा (जिला महासचिव, राष्ट्रीय हिन्दू शेर सेना, बाराबंकी) एवं कमलजीत मिश्रा शामिल रहे।

दिनदहाड़े फायरिंग, डॉक्टर बाल बाल बचे, कार के शीशे टूटे

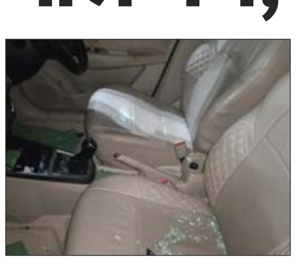

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मद-पुर खाला थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े उस समय सनसनी फैल गई, जब एक डॉक्टर पर जानलेवा हमला करते हुए अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली डॉक्टर को नहीं लगी, हालांकि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और डॉक्टर को हल्की चोटें आई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम अमेरा निवासी गोविन्द कुमार वर्मा पुत्र राजाराम, जो पेशे से चिकित्सक हैं, जो सोमवार शाम लगभग 7:50 बजे अपनी क्लीनिक भ्यारा चौराहा से अपने गांव लौट रहे थे। जब वह सोहई मोड़ के पास पहुंचे, तभी वहां पहले से खड़ी एक लाल रंग की कार में सवार कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी को रोकने का इशारा किया। आरोप है कि गाड़ी न रोकने पर गेदलाल, बलराम उर्फ राजू, संजय पुत्रगण जगतराम तथा बृजेश पुत्र गेंदलाल ने अवैध असलहों से जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ चार से पांच राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान डॉक्टर की गाड़ी के दोनों ओर के शीशे टूट गए, हालांकि गोली उन्हें स्पर्श नहीं कर सकी। डॉक्टर गोविन्द कुमार वर्मा ने बताया कि इसी दौरान कुछ अज्ञात लोग गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला करने लगे। जान बचाने के लिए वह अपनी गाड़ी लेकर सीधे थाना मोहम्मदपुर खाला की ओर भागे।

> **थाना प्रभारी ने बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। और जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।**

सुविधा : प्रमुख विरासत स्थलों, मंदिरों और समुद्र तटों के साथ गंगासागर में पवित्र स्नान इस यात्रा के विशेष आकर्षण हैं

'डिवाइन ईस्ट टेम्पल टूर' लॉन्च

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने भारत गौरव डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ी के माध्यम से "दिव्य पूर्व मंदिर यात्रा" नामक एक नया पर्यटन परिपथ शुरू किया है। यह 10 दिनों की रेल आधारित यात्रा श्रद्धालुओं और यात्रियों को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कई प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध विरासत स्थलों के दर्शन का एक अनोखा अवसर देती है।

यात्रा की शुरुआत दिल्ली सफद-रजंग से होगी और इसमें वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी,

भुवनेश्वर, कोणार्क, चिलिका और बैद्यनाथ धाम की यात्रा कराई जाएगी, जिसके बाद रेलगाड़ी दिल्ली वापस लौटेगी। इस यात्रा के दौरान वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर (ज्योतिर्लिंग) के दर्शन और गंगा आरती कराई जाएगी। इसके बाद भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता का भ्रमण होगा, जिसमें विक्टोरिया मेमोरियल, शहर के अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल तथा कालीघाट (शक्ति पीठ) और दक्षिणेश्वर काली मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिर शामिल हैं। गंगासागर के पवित्र तटों की एक दिवसीय यात्रा, जिसमें सागर संगम में पवित्र स्नान और कपिल मुनि मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे, इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है। इसके बाद यात्रा पुरी जाएगी, जहाँ भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर के दर्शन कराए जाएंगे। साथ ही ओडिशा परिपथ के अंतर्गत भुवनेश्वर, धौली शांति स्तूप, उदयगिरि और खंडगिरि की गुफाएँ, कोणार्क सूर्य मंदिर और अन्य प्रमुख स्थल दिखाए जाएंगे।

यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित टूर प्रबंधक उपलब्ध

आईआरसीटीसी द्वारा प्रस्तुत यह सर्वसमावेशी यात्रा धार्मिक और अवकाश पर्यटन का एक बेहतरीन मेल है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को सहज, सुरक्षित और समृद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

भारत गौरव डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें वातानुकूलित तृतीय, द्वितीय एवं प्रथम श्रेणी के सुव्यवस्थित केबिन, रेलगाड़ी के भीतर स्वच्छ शाकाहारी भोजन परोसने वाले भोजनयान, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था तथा यात्रियों की सुविधा के लिए समर्पित टूर प्रबंधक उपलब्ध हैं।

- **वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिलिका और बैद्यनाथ धाम (ज्योतिर्लिंग) को शामिल करते हुए 10 दिनों की यात्रा योजना।**
- **भारत गौरव डीलक्स पर्यटक रेलगाड़ी 09 मार्च, 2026 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से प्रस्थान करेगी।**
- **यह रेलगाड़ी वातानुकूलित प्रथम, द्वितीय और तृतीय श्रेणी की तीन श्रेणियों में 150 पर्यटकों को समायोजित कर सकती है तथा इसमें 02 रेस्टोरेंट कार भी हैं, जो इस ट्रेन की एक विशेष सुविधा है।**

मेरठ में बेड से उठते ही लड़खड़ाया, डॉक्टर बोले- दिमाग की नसें फटीं, परिवार में मचा कोहराम

वेबसीरीज देखते-देखते 22 साल के डिजाइनर की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । 'कैफ बहुत नेक बच्चा था। परिवार की जरूरतों का ख्याल रखता था, बस वो मोबाइल बहुत देखता था, अब मेरा बच्चा अल्लाह के पास चला गया।'

ये सब बताते हुए मोहम्मद कैफ की मां तस्लीम की आंखों में आंसू भर आए। वह खुद को संभालते हुए बोलीं- वो बहुत सीधा था, सबकी इज्जत करता था, किसी से नजर मिलाकर बात नहीं करता था।

6 फरवरी की रात वह अपने कमरे में मोबाइल पर वेब सीरीज देख रहा था। अचानक उसको दिक्कत महसूस हुई। वह बिस्तर से उठा, फिर जमीन पर गिर पड़ा। परिवार उसको मेरठ के 3 प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, फिर दिल्ली के सफदरगंज हॉस्पिटल में दिखाया, जहां उसकी मौत हो गई। कैफ काम करके रात 8 बजे तक घर आ गया। खाना खाया, फिर उसका दोस्त शोएब आ गया। दोनों घूमने निकल गए। रात करीब 11.30 बजे शोएब ने कैफ को घर छोड़ दिया। कैफ अपने बेड पर सोने चला गया। मगर हेडफोन लगाकर मोबाइल देखता रहा। 1 घंटे बाद कैफ को कुछ उलझन हुई, वह बेड से उठा, लेकिन फिर लड़खड़ाकर गिर पड़ा। उसके गिरने की आवाज परिवार के लोगों ने सुनी, सब दौड़कर आ गए। फारूख कहते हैं कि मैंने कैफ को संभाला। वह अपने सिर में हाथ मार रहा था। मैं कैफ को लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल दौड़ता रहा। सबसे पहले होप हॉस्पिटल गए, लेकिन डॉक्टर नहीं मिले। यहां के बाद सुशीला जसवंत राय और फिर साकेत के निजी अस्पताल आ गए। बिलिंग पर तो स्टाफ चर्चा करता रहा लेकिन इलाज की किसी ने बात नहीं की।

शेख मेराज ने कहा- कैफ मेहनती लड़का था, अपने काम पर बहुत फोकस करता था।
मां ने कहा- वो एक नेक बच्चा था। ऑफिस और फिर घर। सिर्फ उसको मोबाइल देखने का शौक था।
भाई बोले- इलाज लेट मिला, वरना भाई बच जाता

पिता प्रॉपर्टी डीलर, 8 साल से किराए पर रहता है परिवार

गूलर वाली गली में एक किराये के मकान में कैफ अपने परिवार के साथ रहता था। 8 साल पहले उसका परिवार इस मकान में शिफ्ट हुआ था। कैफ के पिता फारुख प्रॉपर्टी डीलिंग करते हैं। परिवार में उनकी पत्नी तस्लीम, 1 बेटी और बेटा कैफ ही था। बेटी की शादी हो चुकी है, कैफ कंप्यूटर डिजाइनिंग करता था।

वह हर रोज सुबह 9 बजे ऑफिस चला जाता था, फिर रात में 8.30 बजे ही लौटकर आता था। खाना खाने के बाद सोने चला जाता था। परिवार के मुताबिक, इस दौरान वो मोबाइल पर आधी रात तक मूवी, वेब सीरीज और कभी-कभी गेम खेलता था। परिवार ने बताया- 2019 से पहले वो पबजी गेम खेलता था, मगर बैन होने के बाद वो नार्मल गेम ही मोबाइल पर खेलता था। रील्स बनाने का भी उसको शौक था।

भाई ने कहा- हॉस्पिटल के स्टाफ मरीजों की हेल्थ को लेकर बहुत एक्टिव नहीं दिखे।

दिल्ली में बमुश्किल किया गया भर्ती

फारूख का कहना है- मेरठ के अस्पताल ने रेफर लेटर नहीं दिया, जिस कारण दिल्ली एम्स और जीबी पंत हॉस्पिटल में कैफ को भर्ती नहीं किया। बमुश्किल सफदरजंग अस्पताल में कैफ को भर्ती किया गया, इसके बाद कैफ का इलाज शुरू हो पाया। हालांकि कुछ घंटे बाद ही कैफ ने दम तोड़ दिया।

पिता का आरोप है कि समय पर इलाज मिलता तो कैफ बच जाता। वह कैफ को लेकर मेरठ वापस आ गए और रात में ही उसको सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

एआई आधारित स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक बनी नेत्रहीनों के लिए सहारा युवा इंजीनियरिंग छात्र का नवाचार

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाली इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईईटी के छात्र साहिल गुलाटी भी प्रतिभाग कर रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग अब केवल उद्योगों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर भी नवाचार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बी.टेक तृतीय वर्ष (सीएसई–एआई ब्रांच) के छात्र साहिल गुलाटी ने नेत्रहीन व्यक्तियों की सुरक्षा और स्वतंत्र आवागमन को आसान बनाने के लिए एआई आधारित स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक विकसित की है।

साहिल द्वारा तैयार की गई यह एआई ब्लाइंड स्टिक उन्नत सेंसरों और एआई तकनीक से लैस है, जो सामने आने वाली वस्तुओं और बाधाओं को तुरंत पहचान लेती है। जैसे ही रास्ते में कोई अवरोध आता है, यह डिवाइस वास्तविक समय में ऑडियो अलर्ट के माध्यम से उपयो-गकर्ता को सतर्क कर देती है, जिससे दुर्घटना की आशंका काफी कम हो जाती है। इतना ही नहीं, आपात स्थिति में यह स्मार्ट स्टिक एसओएस कॉल भी ट्रिगर कर सकती है, जिससे जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके। इस तकनीक के माध्यम से नेत्रहीन व्यक्तियों को न केवल सुरक्षित चलने में मदद मिलती है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

फास्ट न्यूज

कारोबारी से 21 लाख लूटने वाले 2 दरोगा सस्पेंड

मेरठ। मेरठ में यूपी पुलिस के 2 दरोगा ने सूत कारोबारी से 21 लाख रुपए लूट लिए। मामला बड़े अफसरों तक पहुंचा, तो जांच एसपी सिटी को सौंप दी गई। जांच में आरोप सही मिले।

इसके बाद एसएसपी अविनाश पांडेय ने दोनों दरोगा को सस्पेंड कर दिया। साथ ही रंगदारी मांगने समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

कारोबारी बोले- कानपुर पुलिस कमिश्नर झूठ बोल रहे

कानपुर । कानपुर में लेम्बोर्गिनी कार से 6 लोगों को कुचलने के मामले में नया ट्विस्ट आ गया है। कारोबारी पिता केके मिश्रा मंगलवार को ग्वालटोली थाने पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि हादसे के वक्त बेटा शिवम नहीं, बल्कि ड्राइवर मोहन लेम्बोर्गिनी कार चला रहा था। शिवम उस वक्त सो रहा था। केके मिश्रा ने कहा- हादसे के बाद कार लॉक हो गई थी, जिससे बेटे की तबीयत बिगड़ गई। ठीक होने पर बेटे को लेकर मैं खुद थाने आऊंगा। मीडिया ने पूछा कि पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि गाड़ी शिवम चला रहा था।

सेक्स रैकेट में नहीं गई तो गर्लफ्रेंड की हत्या की

आगरा । यूपी के आगरा में सेक्स रैकेट में शामिल होने से मना करने पर बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद किराये पर थार लेकर शव उसमें डाला और दिल्ली से करीब 250 किमी दूर आगरा लाया। फिर यमुना एक्सप्रेस-वे के किनारे शव फेंककर फरार हो गया। गर्लफ्रेंड की लाश 6 फरवरी को मिली थी, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पाई।

राष्ट्रीय कृमि दिवस पर छात्रों को खिलाई गई दवा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में मंगलवार को बच्चों को पेट के कीड़ों (कृमि) से मुक्त करने के लिए चबाकर खाई जाने वाली एल्बेंडाजोल नामक कृमिनाशक गोली खिलाई गई। यह सुरक्षित गोली शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्रि की उपस्थिति में खिलाई गई।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ जगदीश पाठक ने बताया कि कृमिनाशन गोली खिलाए जाने का मुख्य उद्देश्य कि बच्चों को बेहतर सेहत, पोषण के साथ-साथ उचित ढंग से उनका शारीरिक और मानसिक विकास करना तथा सीखने की प्रक्रिया को बाधित न होने देना है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर यह देखा जाता है कि जो बच्चे बिना जूते पहने मैदान में खेलते हैं, बिना हाथ धोए खाना खाते हैं, शौचालय नियमित उपयोग नहीं करते है, शौच के उपरांत व्यवस्थित रूप से हाथ नहीं धोते हैं तथा दूषित फल और सब्जियों का सेवन करते हैं, तो उन्हें कृमि संक्रमण होने की संभावना सर्वाधिक होती है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के आयोजन में शिक्षिका गीता सक्सेना, बिंदु शर्मा, डॉ ममता रानी, पूजा रानी का विशेष सहयोग रहा। संचालन बिन्दु शर्मा ने किया।

गोरखपुर में पत्नी बोली- प्रिंसिपल कहते थे नौकरी खा जाऊंगा, 7 फरवरी को हादसे में हुई थी मौत

टीचर को न्याय दिलाने को स्टूडेंट्स धरने पर बैठे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के टीचर की 7 फरवरी को बस्ती में रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई। पति की मौत के बाद पत्नी मधुलिका सिंह ने वीडियो जारी किया। बोलीं- मेरे पति को कॉलेज के प्रिंसिपल मानसिक रूप से परेशान करते थे। कहते थे कि तुम्हारी नौकरी खा जाउंगा। मेरे पति के मौत की जिम्मेदारी संजीव सक्सेना की है।

वहीं मंगलवार को टीचर को न्याय दिलाने के लिए स्टूडेंट्स धरने पर बैठे गए। उनका कहना है कि जब तक हमारे टीचर को न्याय नहीं मिलेगा तब तक हम नहीं उठेंगे। वहीं स्कूल के अन्य टीचर और विभिन्न शिक्षक संगठनों ने भी निष्पक्ष जांच और परिवार को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

पत्नी मधुलिका सिंह भी सरकारी टीचर हैं। उनकी तैनाती बस्ती जिले में है। उनके दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा अविरल 14 वर्ष और छोटा बेटा अदविक 10 वर्ष का है। टीचर अभय सिंह की मौत के बाद स्कूल के स्टूडेंट्स धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने हाथों में पोस्टर लेकर जस्टिस फॉर अभय सर लिखकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

यह तस्वीर घर में एक शादी के दौरान टीचर डॉ. अभय प्रताप सिंह की फैमिली की है।

स्कूल में 30 टीचर थे, लेकिन प्रिंसिपल ने जबरदस्ती दबाव बनाया

टीचर की पत्नी मधुलिका सिंह ने कहा- 7 फरवरी को साढ़े 7 बजे स्कूल आ जाना वरना नौकरी खा जाऊंगा। और तुम्हे रेल दूंगा। जबकि स्कूल में परीक्षा के लिए केवल 6 टीचरों की जरूरत थी। उस समय स्कूल में 30 टीचर थे। लेकिन प्रिंसिपल ने दबाव बनाकर ड्यूटी के लिए विवश किया। इसी चक्कर में मेरे पति 7 फरवरी को बस्ती से सुबह 5 बजे घर से स्कूल के लिए निकले और रास्ते में उनका एक्सीडेंट हो गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मेरे पति के मौत की जिम्मेदारी प्रिंसिपल संजीव सक्सेना की है।

पत्नी बोली- मेरे पति को प्रिंसिपल ने मारा, जांच कराने की मांग

गोरखपुर के पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पीपीगंज में डॉ. अभय प्रताप सिंह (40) कंप्यूटर विज्ञान के टीचर थे। 7 फरवरी को गोरखपुर आते समय बस्ती में सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई थी। मौत के बाद पत्नी मधुलिका सिंह ने सोमवार शाम को वीडियो जारी किया और स्कूल के प्रिंसिपल के खिलाफ कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा- मेरे पति ने घर में मांगलिक कार्य के लिए 3 दिन की छुट्टी अप्लाई की थी। प्रिंसिपल ने 7 फरवरी को कक्षा 9 और 11 की प्रवेश परीक्षा में ड्यूटी का हवाला देते हुए अवकाश देने से इनकार कर दिया। उन्हें केवल दो दिन का अवकाश स्वीकृत किया गया। 6 फरवरी को स्कूल के प्रिंसिपल ने मेरे पति के फोन पर कॉल किया।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर एनआईसी सेंटर में आयोजित हुई गोष्ठी

सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोगकर्ता बनना सबकी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुरक्षित इंटरनेट दिवस (एसआईडी) के अवसर पर एनआईसी सेंटर में जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित गोष्ठी में उपस्थित लगभग 80 अधिकारियों एवं जीआईसी इंटर कॉलेज के छात्रों को जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डीआईओ), एनआईसी एकांश शर्मा तथा सहयोगी स्टाफ द्वारा एआई का सुरक्षित उपयोग करने तथा इंटरनेट का उपयोग करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान करते हुए विशेष रूप से बच्चों और युवा वयस्कों के लिए एक सुरक्षित और समावेशी डिजिटल वातावरण बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। डीआईओ एकांश शर्मा ने बताया कि सुरक्षित इंटरनेट दिवस (एसआईडी) हर साल तकनीक और इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2026 में ''स्मार्ट तकनीकः सुरक्षित विकल्प और सभी चीजों के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग की खोज'' की थीम पर विश्व के लगभग 150 देशों में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसआईडी का उद्देश्य है कि आमजन को ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जागरूक व शिक्षित करना है ताकि लोग ऑनलाइन दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने के लिए स्वेच्छा से आगे आ सकें। उन्होंने कहा कि आज के युग में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला ऐप व्हाट्स ऐप को सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करना समय की मांग है जिससे साईबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लग सके।

एकांश शर्मा ने कहा कि साईबर सुरक्षा का महत्व इसी बात से समझा जा सकता है कि आज विभिन्न संगठनों, शिक्षण संस्थाओं एवं समुदायों में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरन्तरता के साथ कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संचार क्रांति के इस युग में सबसे सशक्त माध्यम इण्टरनेट है जो सम्पूर्ण संसार को एक दूसरे से जोड़े हुए है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर इंटरनेट सीखने, सामाजिक संपर्क और व्यवसाय के लिए अनगिनत अवसर प्रदान करता है वहीं दूसरी ओर साइबरबुलिंग, फ़िशिंग, डेटा उल्लंघन और अनुचित सामग्री के संपर्क में आने जैसे जोखिम भी पैदा करता है। कार्यशाला का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित इण्टरनेट का उपयोग करने हेतु जागरूक एवं शिक्षित करना है।

गोष्ठी में यह भी बताया गया कि अगर किसी के साथ डिजिटल फ्रॉड होता है तो साईबरक्राइम डाट जीओवी डाट इन व हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1930 तथा नजदीकी पुलिस स्टेशन पर जाकर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं।

भदोही में जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष, फायरिंग में युवक की मौत

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी रिवाल्वर को किया जब्त

तमसा संकेत, संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में मंगलवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पड़ोसियों में हुए खूनी संघर्ष और फायरिंग में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गईं जबकि दूसरे को ईलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँच गईं है और लॉइसेंसी रिवाल्वर को जब्त कर लिया गया है। तीन लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। भदोही पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के अनुसार औराई थाने के बनपुरवा जंगला गाँव में दो पड़ोसियों के बीच पुराना जमीनी विवाद था। जिसका मुकदमा दीवानी न्यायालय में चल रहा है। इसी जमीनी विवाद को लेकर मंगलवार को दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। इस दौरान फायरिंग में दो लोगों को गोली लगी है जिसमें एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे कोई इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भदोही पुलिस तक अधीक्षक के अनुसार आरोपी पक्ष की तरफ से लाइसेंसी रिवाल्वर से फायरिंग की गई जिसमें गोली लगने से घटनास्थल पर ही आशीष यादव (28) पुत्र फूलचंद यादव की मौत हो गई। आशीष के पीठ में गोली लगी उसकी उम्र तकरीबन 28 साल बताई गई है। जबकि अखिलेश यादव पुत्र उमाशंकर यादव के हाथ में गोली लगी है जिनको इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया है। पुलिसने तीन लोगों को हिरासत में लेकर पुछताछ कर रही है।

राजनाथ यादव को लाठी डंडे से चोट आई है। अखिलेश यादव एवं राजनाथ यादव खतरे से बाहर हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

'बाबरी ढांचा कयामत ...

कुछ अवसरवादी राम को भूल जाते हैं।

योगी ने कहा- बेटी सुरक्षित होगी, तो समाज अपने आप सुरक्षा का एहसास करेगा। व्यापारी सुरक्षित होगा, तो तरक्की होगी। पहले वेतन देने का पैसा नहीं होता था। आज सभी को वेतन समय पर मिल रहा। सरकार करोड़ों लोगों को पेंशन दे रही है। आज प्रदेश तरक्की कर रहा है।

योगी ने कहा- पहले गरीबों के घर नहीं बन पाए। मोदीजी आए, तो यूपी के 60 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास मिले। पहले गांवों में बिजली नहीं थी, सड़कों पर गंदगी थी। अब घर-घर शौचालय बन गए। साफ पानी मुहैया कराया जा रहा है। पहले बिजली नहीं मिलती थी। कुछ चुनिंदा जिलों को ही बिजली मिलती थी। अब सभी 75 जिलों को बिजली मिल रही। पहले की सरकारों में शौचालय नहीं थे। लोगों को मुंह बंद करके खेतों में जाना पड़ता था। आज हर घर में शौचालय है। अब बहन-बेटियों को बाहर नहीं पड़ता। बेटियों के जन्म से लेकर शादी का खर्च भी सरकार कर रही है। ये समाज की जिम्मेदारी है।

योगी ने कहा- बाराबंकी के प्रगतिशील किसानों ने आधुनिक खेती के जरिए जिले को नई पहचान दी है। यहां के किसान रामसरन वर्मा को पीएम नरेंद्र मोदी ने पद्म सम्मान से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में भी काशी विश्वनाथ की तर्ज पर भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा।

हमने केडी सिंह बाबू...

जो कानून अपने हाथ में लेगा, तो कानून उसे ऐसा सबक सिखाएगा कि पीढ़ियां याद रखेंगी।

पेंगुइन का दावा...

दरअसल, कंपनी की सफाई इसलिए आई क्योंकि किताब की अनअथॉराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा सामने आया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने FIR भी दर्ज की है। यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर मिली जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है। राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के बाहर कहा- एमएम नरवणे ने X पर पोस्ट किया है, 'हेलो दोस्तों, मेरी किताब अब अवेलेबल है। लिंक फॉलो करें। हैप्पी रीडिंग'। या तो एमएम नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मैंने आर्मी चीफ पर विश्वास करना चुना।

उन्होंने आगे कहा कि क्या आप एमएम नरवणे के बजाय पेंगुइन पर विश्वास करेंगे? किताब में कुछ ऐसी बातें हैं जो सरकार के लिए असुविधाजनक हैं।

पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने X पर एक पोस्ट में पब्लिश्ड बुक और प्री-ऑर्डर कॉपी के बीच का अंतर बताया। पब्लिशर ने पोस्ट में लिखा कि बुक की प्लानिंग हो चुकी है लेकिन अभी ये बिक्री के उपलब्ध नहीं है। बीते 24 घंटे में पब्लिकेशन की तरफ से ये दूसरा पोस्ट है।

विधानसभा में दो ...

इससे पहले विधानसभा में सपा के सबसे उम्रदराज विधायक की अनोखी एंट्री हुई। 90 साल के निजामाबाद से विधायक आलम बदी बिना किसी लाव-लश्कर एक स्कूटी पर पीछे बैठकर सदन पहुंचे। इसके बाद वह बिना किसी सहारे सीढ़ियां चढ़ते हुए अंदर पहुंचे।

वहीं, विधान परिषद में सपा एमएलसी मान सिंह यादव, लाल बिहारी यादव समेत अन्य सदस्यों ने विभिन्न भर्तियों में आरक्षण में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। इस पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जवाब दिया। लेकिन, विपक्ष उनके जवाब को अपर्याप्त बताते हुए सदन में ही नीचे बैठकर धरना देने लगा। हंगामे के चलते सदन को 15 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा।

लाल बिहारी यादव ने दो और भर्तियों में आरक्षण में दिक्कत को मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के 221 पद निकले। इसमें ओबीसी के 27 फीसदी आरक्षण के मुताबिक 60 पद होने चाहिए थे लेकिन मिला सिर्फ 20 पद। आखिर ये किस आधार पर हुआ।

केशव बोले- सपा...

बाकी सपा का चरित्र नहीं बदल सकता। पहले तो वह एक ही वर्ग को सारा लाभ देते थे। हमने साढ़े 8 लाख पदों पर सरकारी नौकरी दी। हमने नकल माफियाओं पर कार्रवाई की। मैं आश्वासन देता हूं कि हर भर्ती में 60 फीसदी आरक्षण का पूरा पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण में गड़बड़ी करने वालों को उल्टा लटका देंगे।

बजट से किसी को ...

जीडीपी की ग्रोथ सिर्फ 7 फीसदी है। नॉमिनल ग्रोथ सिर्फ 8 फीसदी है। जिसके कारण लोगों के हाथ में पैसा नहीं है। इसका कारण है निजी निवेश नहीं आ रहा है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में दुनिया की रैंकिंग में भारत का स्थान 144 वें नम्बर पर है। यह सरकार 11 सालों से बजट ला रही है लेकिन पर कैप्टा इनकम नहीं बढ़ पायी। सरकार को बताना चाहिए की जिन्हें राशन मिल रहा है उनकी पर कैप्टा इनकम क्या है।

बजट में पिछडेपन को दूर करने के लिए कोई विजन नहीं दिखता है। जब बजट आता है तो हम लोग अपने प्रदेश के लिए ढूंढ़ते हैं कि क्या मिला। बजट में यूपी के लिए कोई खास योजना नहीं मिली। प्रधानमंत्री जी यूपी से आते है। लेकिन आज तक केन्द्र सरकार से कोई एक्सप्रेस-वे नहीं मिला है। यूपी में जो एक्सप्रेस-वे बन रहे है। वह विकसित भारत की क्वालिटी के नहीं है। भाजपा सरकार में बनाये जा रहे सड़कों और एक्सप्रेस-वे में भारी भ्रष्टाचार है।

लोकसभा स्पीकर ...

इसके बाद 8 मार्च से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी।

इससे पहले बजट सत्र के 10वें दिन संसद दो बार स्थगित हुई। दोपहर 2 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू हो सकी। शशि थरूर ने बजट पर चर्चा की शुरुआत की। राहुल का यह बयान पब्लिशिंग कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के उस क्लैरिफिकेशन के बाद आया, जिसमें कहा गया कि नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है। पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं।

पेंगुइन कंपनी ने कहा- अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। हमारी तरफ से किताब का कोई भी हिस्सा कहीं भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

तहसील अकबरपुर...

डेड स्टॉक रजिस्टर अद्यतन न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुए इसे तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए।

इसके बाद उप जिलाधिकारी न्यायालय, कंप्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, नायब तहसीलदार न्यायालय, तहसीलदार न्यायिक कक्ष, राजस्व निरीक्षक कक्ष, मतदाता पंजीकरण केंद्र, निर्वाचन अनुभाग, जनगणना कक्ष, अभिलेखागार, कानूनगो कक्ष और आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय सहित अन्य महत्वपूर्ण पटलों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान निष्प्रयोज्य वाहनों और सामग्रियों को नियमानुसार नीलाम या हटवाने के निर्देश दिए गए। स्मृति वन की साफ-सफाई कर उसे विकसित पार्क के रूप में विकसित करने, शौचालयों को क्रियाशील बनाए रखने और स्मृति वन के पास स्थित खाली कक्ष को सुरक्षागार्डों के उपयोग हेतु व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा तहसील भवन की रंगाई-पुताई कर उसे बेहतर स्वरूप देने तथा तहसील आने वाले लोगों की सुविधा के लिए परिसर में एक व्यवस्थित कैंटीन के संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मणिपुर के उखरुल...

पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं। इलाके में दहशत फैलने के बाद कर्फ्यू लागू किया गया। स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण है, लेकिन भारी सुरक्षा तैनाती के चलते काफी हद तक कंट्रोल में है।

तनाव बढ़ने की आशंका के बीच लोगों ने बिना किसी प्रशासनिक मदद के अपने स्तर पर ही घर छोड़ना शुरू कर दिया है।

म्हात्रे भारत वापस लौटने के बाद सोमवार को महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के घर पहुंचे

सचिन ने दी अंडर-19 कप्तान आयुष को अपनी टेस्ट जर्सी

मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे जिम्बाब्वे से भारत लौटने के बाद सोमवार को सचिन तेंदुलकर से मिले। इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर कप्तान आयुष म्हात्रे समेत सभी खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। म्हात्रे का पूरा परिवार उनके माता-पिता उन्हें लेने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

म्हात्रे भारत वापस लौटने के बाद सोमवार को महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के घर पहुंचे। आयुष म्हात्रे

को सचिन तेंदुलकर से एक खास तोहफा मिला। तोहफा में सचिन ने अपनी टेस्ट जर्सी भेंट की,साथ ही उन्होंने अपने हाथ से लिखा हुआ एक संदेश भी दिया। ''प्रिय आयुष, आपके करियर में अपार सफलता की कामना करता हूं।'' अंडर-19 क्रिकेट में दुनिया की सबसे सफल टीम भारत फिर से वर्ल्ड चैंपियन बन गई है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में खेला गया अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया रिकॉर्ड छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी। टूर्नामेंट

वीडियो में सचिन ने म्हात्रे से कहा, यह वही जर्सी थी जिसे उन्होंने अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में पहना था। वो आगे कहते है, लगातार मेहनत करते रहो। ध्यान केंद्रित रखो। लोगों के बहकावे में मत आओ। अभ्यास करते रहो। एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है। चाहे जो भी हो, ध्यान भटकाने वाली चीजें बहुत होंगी।

में म्हात्रे ने शानदार कप्तानी की, खासकर नॉकआउट मैचों में। फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 51 गेंदों में 53 रन बनाए और सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 59 गेंदों में 62 रन की पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 7 पारियों में कुल 214 रन बनाए और 30.57 की औसत से भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। वैभव सूर्यवंशी ने सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 439 रन बनाए। फाइनल में उन्होंने 175 रन की जबरदस्त पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 15 छक्के शामिल थे।

म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया

म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। लिखा, मैं आपको स्क्रीन पर देखते हुए बड़ा हुआ। आज मैं आपके घर पर खड़ा हूं और आपकी यात्रा का एक हिस्सा अपने हाथों में थामे हुए हूं। इस सम्मान के लिए आपका धन्यवाद, सर। मैं इसे उसी आदर और सम्मान के साथ संभालकर रखूंगा, जैसे आपने सालों तक भारतीय क्रिकेट को सम्मान के साथ आगे बढ़ाया।

आईसीसी के 'हंटर' से 10 दिन में बदले पीसीबी के सुर

नई दिल्ली। आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के साथ खेलने के लिए पाकिस्तान तैयार हो गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने इसके आधिकारिक घोषणा नहीं की है। पाकिस्तानी जनता के सामने जाने के लिए उपयुक्त बहाने पाकिस्तान फिलहाल तलाश रहा है, जिसकी वजह से आधिकारिक घोषणा के लिए उन्होंने आज तक का समय मांगा है।

15 फरवरी को कोलंबो में शेड्यूल भारत-पाकिस्तान के इस मैच के बहिष्कार की धमकी देने के करीब 10 दिन बाद पाकिस्तान को आईसीसी के सामने झुकने के लिए मजबूर होना ही पड़ा है। ऐसे में आइए समझते हैं पूरी कहानी कि आईसीसी के कौन-से दांव ने पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया है।

दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी भले ही अब इस फैसले को दूसरा रंग देने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन सच्चाई किसी से छिप

नहीं पाई है। आईसीसी ने बेहद ही चतुराई से हालात ऐसे बना दिए कि पाकिस्तान के पास यू-टर्न लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

बता दें कि पूरे विवाद की शुरुआत बांग्लादेश से हुई, जब बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत में टी-20 विश्व कप खेलने से इनकार किया। बीसीसीआई और बीसीबी के बीच इस विवाद में पाकिस्तान कूदा, जिन्होंने मामले को बेवजह और तूल दिया, लेकिन जब आईसीसी ने बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया तो पाकिस्तान ने फिर एक पैंतरा चला। 1 फरवरी को पाकिस्तान ने कहा कि वो विश्व कप में हिस्सा तो लेंगे, इंडिया के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेंगे।

बीसीसीआई ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने सोमवार को खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध की लिस्ट जारी की। बीसीसीआई ने ए प्लस श्रेणी को खत्म कर अब खिलाड़ियों को केवल तीन श्रेणियों ए, बी और सी में बांटा है। दैनिक जागरण ने सात फरवरी को बताया था कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को ए प्लस श्रेणी से हटाकर बी श्रेणी में लाया जाएगा और हुआ भी वही। अब ए श्रेणी में केवल तीन क्रिकेटर शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है।

केवल वनडे प्रारूप खेलने के कारण रोहित और विराट को बी श्रेणी में रखा गया गया है। हालांकि अभी बीसीसीआई ने इन श्रेणी में अनुबंधित खिलाड़ियों को कितनी राशि मिलेगी, इस बारे में नहीं बताया है। ए प्लस श्रेणी में शामिल क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़

रुपये मिलते थे। इसी तरह ए श्रेणी में सालाना पांच करोड़, बी श्रेणी में तीन करोड़ और सी श्रेणी में सालाना एक करोड़ रुपये दिए जाते थे।

समझा जाता है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सुझाव पर प्रशासकों की समिति ने ए प्लस श्रेणी की शुरुआत की थी। यह तीनों प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों के लिए था और इतने वर्ष में सिर्फ कोहली, रोहित, जडेजा और बुमराह ही इस श्रेणी में रहे हैं। अब इनमें से तीन एक या दो प्रारूपों से विदा ले चुके हैं लिहाजा बोर्ड सिर्फ बुमराह को ए प्लस श्रेणी में नहीं रखना चाहता। गिल का सभी प्रारूपों में खेलना तय नहीं है और टी20 विश्व कप की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है।

महिला कोच के यौन उत्पीड़न का मामला ट्रांसफर, पीड़िता से कहा था- मुझे खुश रखों, मैं तुम्हे रखूंगा

हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह को झटका

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री और हॉकी प्लेयर रह चुके संदीप सिंह से जुड़े छेड़छाड़ और रेप के प्रयास करने के मामले में बड़ा अपडेट आया है। पीड़ित जूनियर महिला कोच की याचिका पर चंडीगढ़ जिला एवं सत्र न्यायाधीश एचएस ग्रेवाल ने इस मामले को किसी अन्य न्यायाधीश को ट्रांसफर करने के आवेदन को स्वीकार कर लिया।

पीड़िता ने आरोप लगाया था कि न्यायाधीश उसके प्रति पक्षपाती थे। अपनी याचिका में पीड़िता ने कहा था कि जज ने उसे केस की फाइल देखने नहीं दी। उसे CRPC की धारा 164 के तहत दिए गए अपने

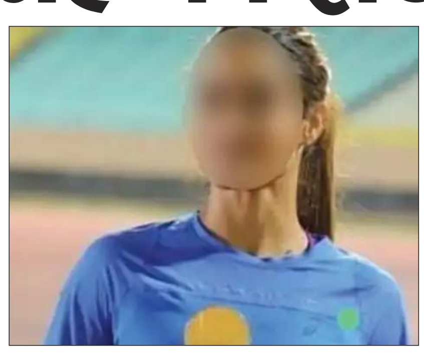

महिला जूनियर कोच ने 26 दिसंबर 2022 को संदीप सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बयान की कॉपी या जानकारी नहीं दी गई। इसके अलावा जज खुद इस केस की सुनवाई कर रहे थे, जबकि वे खुद एक गवाह की सूची में शामिल थे। ऐसे में मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है। बता दें कि 26 दिसंबर 2022 को जूनियर महिला कोच ने संदीप सिंह के खिलाफ यौन-उत्पीड़न सहित अन्य आरोप के तहत चंडीगढ़

पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब मैंने मंत्री की बात नहीं मानी तो मेरा ट्रांसफर कर दिया गया। मेरी ट्रेनिंग तक रोक दी गई। मैंने घटना की शिकायत के लिए डीजीपी कार्यालय, सीएम हाउस और तत्कालीन गृह मंत्री अनिल विज समेत हर स्तर पर प्रयास किया, लेकिन कहीं भी सुनवाई नहीं हुई।

संदीप सिंह, पूर्व खेल मंत्री, हरियाणा

गवाह की लिस्ट में एसीजेएम का नाम

इससे पहले, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (ACJM) राहुल गर्ग इस मामले की सुनवाई कर रहे थे, जो पीड़िता के बयान दर्ज करने के चरण तक पहुंच चुका था। हालांकि, सुनवाई से एक दिन पहले 30 जनवरी को जूनियर महिला कोच ने अपने वकील समीर सेठी के माध्यम से एक आवेदन दायर किया। इसमें बताया गया कि एसीजेएम का नाम स्वयं अभियोजन पक्ष के गवाहों की सूची में गवाह संख्या 19 के रूप में दर्ज है। उन्होंने कहा कि इससे उनकी अदालत के लिए मुकदमे को आगे बढ़ाने में एक मूलभूत कानूनी बाधा उत्पन्न होती है।

पुलिस में शिकायत दी थी। जांच के बाद 31 दिसंबर की रात 11 बजे सेक्टर-26 थाने में संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 342, 354, 354ए, 354बी, 506 के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया था।

बयानों की प्रति कोर्ट ने देने से इंकार किया

जूनियर महिला कोच ने आगे बताया कि अदालत ने धारा 164 सीआरपीसी के तहत दर्ज उनके बयान की प्रति उन्हें लगातार देने से इनकार कर दिया है। "इसके अलावा, याचिकाकर्ता को उक्त बयान की जांच करने और मामले के रिकॉर्ड से उसकी संगति सुनिश्चित करने का उचित अवसर भी नहीं दिया गया है, जो कि शिकाय-तकर्ता का अधिकार है। उनके वकील ने कहा, अदालत के पीठासीन अधिकारी ने शिकायतकर्ता को उनके पूर्व न्यायिक बयान को सत्यापित करने की अनुमति दिए बिना मामले में गवाही देने का निर्देश दिया है, जो 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों' का घोर उल्लंघन है। ऐसी प्रक्रिया शिकायतकर्ता के हितों के लिए अत्यंत हानिकारक है।

मनोरंजन

फिल्म 'स्पिरिट' से प्रकाश राज नहीं हुए बाहर

मुंबई। दीपिका पादुकोण के बाद डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट से एक्टर प्रकाश राज के बाहर होने की खबर सामने आई थी। हालांकि, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रकाश राज ने इसे गलत बताया है। दरअसल, रविवार को OTTPlay की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि प्रकाश राज को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए साइन किया गया था, लेकिन अब वह प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शूटिंग के दौरान स्क्रिप्ट और एक सीन को फिल्माने के तरीके को लेकर डायरेक्टर और एक्टर के बीच तीखी बहस हुई थी। बाद में ये मतभेद और बढ़ गए। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया था कि सेट पर एक्टर का व्यवहार टीम के लिए चैलेंजिंग हो गया था, जिसके चलते मेकर्स ने उनसे अलग होने का फैसला लिया।

रोहित शेट्टी केसः हमलावरों के निशाने पर थे निर्देशक

मैकेनिक बनकर लॉरेंस गैंग के लिए काम करता था आरोपी आसाराम फसाले

नई दिल्ली। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग की घटना सामने आई थी, जिसके बाद से मुंबई क्राइम ब्रांच इस मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि इस फायरिंग में रोहित शेट्टी ही हमलावरों का मुख्य टारगेट थे। इस मामले में पुलिस ने 5 फरवरी को आरोपी आसाराम फसाले को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच के मुताबिक, आसाराम फसाले पिछले चार वर्षों से गैरेज मैकेनिक के तौर पर काम कर रहा था और लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ था। वह गैंग के मास्टरमाइंड शुभम लोंकर के निर्देश पर हथियारों की सप्लाई करता था। इस केस में पहले से गिरफ्तार चार आरोपियों में से आसाराम फसाले की सीधी पहचान स्वप्निल सकट से थी, जो शुभम लोंकर के जरिए कराई गई थी। बताया जा रहा है कि लोंकर के निर्देश पर फसाले ने ही सकट को हथियार मुहैया कराए थे, जिन्हें बाद में एक अज्ञात शूटर तक पहुंचाया गया।

इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल फायरिंग की घटना में किया गया।

30 हजार की भीड़ में खोया बच्चा

सोनू निगम ने कॉन्सर्ट में बनाया 'लॉस्ट किड एंथम', यूजर्स बोले- 'असली टैलेंट'

नई दिल्ली। 'बॉर्डर 2' (Border 2) सिंगर सोनू निगम ने कुछ ऐसा किया, जिसने हुबली (कर्नाटक) में मौजूद लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी फैंस का दिल जीत लिया है।

उन्होंने हाल ही में 30,000 (तीस हजार) के क्राउड के बीच में एक खोए बच्चे को उसके माता-पिता से मिलवाया। हालांकि, इस बीच सिंगर ने लाइव कॉन्सर्ट में पैसे खर्च करके उनका परफॉर्मेंस देखने आई ऑडियंस को भी बोर नहीं होने दिया। सोनू निगम का यह वीडियो सोशल मीडिया पर इतना ज्यादा वायरल हो रहा है कि यूजर्स उनकी तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। सोनू निगम ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उनके साथ भीड़ में खोया एक बच्चा भी स्टेज पर है। माता-पिता से बिछड़े इस बच्चे का नाम 'श्री श्री' था, जो काफी डरा-सहमा था। सिंगर सोनू

निगम इस वायरल वीडियो में बच्चे का हाथ थामकर उसको कम्फर्ट करते हुए दिखाई दिए। बच्चे को शांत करने के लिए, सोनू निगम ने सीधे बोलकर नहीं, बल्कि गीत गाकर माता-पिता को उनके खोए बच्चे के बारे में इन्फॉर्म किया। जब क्राउड में सोनू निगम खोए बच्चे के माता-पिता को ढूंढ रहे थे, तो उन्होंने उसे म्यूजिकल मोमेंट बनाते हुए कहा, ₹श्री साई आ जाओ, मम्मी-पापा इसको ले जाओ... इसके मम्मी-पापा खो गए हैं, जल्दी आके इसको ले जाएं। लड़के की नर्वसनेस को दूर करते हुए उन्होंने कहा, पापा-मम्मी तुम्हारे बिना मस्ती कर रहे हैं। बच्चे ने मासूमियत भरे अंदाज में जवाब देते हुए कहा, ₹पापा नहीं हैं।

गोविंदा ने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर तोड़ी चुप्पी, बोले- मेरे बचपन का प्यार है

'मैं क्षमा मांगता हूं'

नई दिल्ली। जाने-माने एक्टर गोविंदा ने अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के हाल के दावों का जवाब दिया। उन्होंने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोपों पर भी चुप्पी तोड़ी और फिल्म इंडस्ट्री में अपने काम और प्रोफेशनल व्यवहार के प्रति अपने डेडिकेशन के बारे में बात की।

गोविंदा ने कहा, 'मुझ पर यह आरोप कब नहीं लगा? जो आरोप लगा रहा है मेरे बचपन का प्यार है...प्यार के मामले में। यह कभी ठीक से नहीं चला। अब जो प्यार हो रहा है किसी के सोचने के मुताबिक यह बुढ़ापे का है।

अपने प्रोफेशनल और कलिग के प्रति सम्मान के बारे में खुलते हुए, हीरो नंबर 1 अभिनेता ने ANI से बात करते हुए साझा किया, 'मैंने चार सुपरस्टार, मिस यूनिवर्स हीरोइन के साथ काम किया है। मैंने कभी उनकी

तरफ नहीं देखा। एक मेरी हीरोइन ऐसा नहीं कह सकती कि मैंने तंग किया हो या किसी के लिए अपमानजनक कह दिया हो.. मैं सभी कलाकारों और एक्ट्रेस को धन्यवाद देता हूं। मेरी जो फिल्में चली हैं, उसके लिए मैं अपने निर्देशकों, गीतों और फिल्मों में नायिकाओं का आभारी हूं।

मेरी मां एक नायिका थीं। मैंने कभी किसी नायिका के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया। अब वह नाम ले रही है, मैंने इसे देखा है। मुझे ऐसे शब्द पसंद नहीं हैं। इसलिए मैं क्षमा मांगता हूं'। गोविंदा ने साफ कहा कि उन्होंने किसी नए अफेयर की बात नहीं की। उन्होंने अपने और सुनीता जी के रिश्ते को लंबे समय का साथ बताते हुए शादी को "बचपन के प्यार जैसी याद" बताया। सोशल मीडिया पर चल रही बातों से अलग, उनका बयान रिश्ते की पुरानी भावनाओं को लेकर था, न कि किसी नए रिश्ते की पुष्टि। गोविंदा ने भी अपने साथ नाम जोड़े जाने पर जवाब देते हुए कहा, 'यह जो नाम ले रही है कोमल, मैं धन्यवाद देता हूं कि जो मैं आज बच गया हूं, वो एक भी शब्द बोलती है, वो चुप है। इतने में तो आज कल यंगस्टर्स जो हैं'।

गोविंदा की मां ने दी थी ये सलाह

उन्होंने अपनी मां से मिली जिंदगी की सीख भी शेयर करते हुए कहा, 'मेरी मां ने मुझसे कहा, गोविंद, अगर तुम परिवार के चार सदस्यों की दुनिया के बारे में सोचोगे, तो एक दिन वे तुम्हें धोखा देंगे। तुम क्या करोगे? दुनिया तुमसे प्यार कर रही है। क्या वे बेवकूफ हैं? क्या उनके पास पैसे नहीं हैं? क्या उनकी इज्जत नहीं है?...मैं अपनी सभी एक्ट्रेस का स्वागत करता हूं। मैं सभी एक्टर का स्वागत करता हूं। मैं तुम्हारी वजह से यहां हूं'।

'किसी भी फिल्म से इंस्पायर्ड नहीं गोलमाल 5'

नई दिल्ली। फिल्म गोलमाल 5 लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की रिपोर्ट्स सामने आ रही थीं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म दो और दो पांच से प्रेरित है। इसी बीच अब निर्देशक रोहित शेट्टी ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए साफ किया है कि गोलमाल 5 किसी भी क्लासिक बॉलीवुड फिल्म से प्रेरित नहीं है और इस तरह की खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। रोहित शेट्टी ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा, हम ऑनलाइन और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चल रही कुछ खबरों को लेकर स्पष्टता देना चाहते हैं, जिनमें यह कहा जा रहा है कि गोलमाल 5 फिल्म 'दो और दो पांच' से प्रेरित है या उसी पर आधारित है।

हम साफ-साफ कहना चाहते हैं कि ये सभी रिपोर्ट्स गलत, भ्रामक और पूरी तरह असत्य हैं। हम सभी मीडिया हाउसेज, प्रकाशनों, पोर्टल्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से सख्त अनुरोध करते हैं कि वे बिना पुष्टि की गई जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित न करें। बयान में आगे कहा गया, रोहित शेट्टी या गोलमाल 5 से जुड़ी कोई भी खबर, अपडेट या स्पष्टीकरण प्रकाशित करने से पहले उसे हमसे या हमारे आधिकारिक पीआर प्रतिनिधि – यूनिवर्सल कम्युनिकेशंस से जरूर सत्यापित किया जाए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका एनर्जी सप्लाई पर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

भारत पर हमसे तेल नहीं खरीदने का दबाव : रूस

आरोप

मॉस्को, एजेंसी

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं।

लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा।

उन्होंने बताया कि इन हालात का असर रूस के दूसरे देशों के साथ रिश्तों पर भी पड़ रहा है। रूस पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है, अमेरिकी पकड़ कमजोर हो रही है।

लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश अपनी पुरानी पकड़ छोड़ना नहीं चाहते। ट्रम्प सरकार के आने के बाद यह और साफ हो गया है कि अमेरिका ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी दुनिया पर कंट्रोल चाहता है और अपने मुकाबले वालों को रोकने की कोशिश कर रहा है।

चार साल बाद घटी रूसी तेल की खरीद

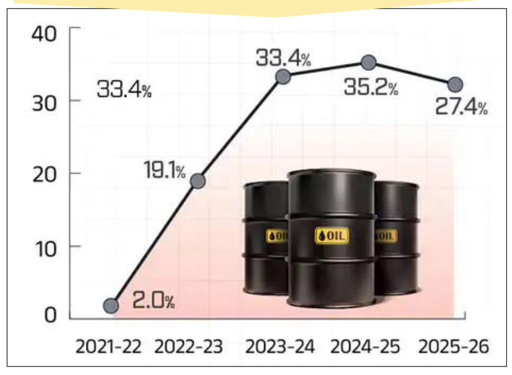

भारत जो मुद्दे उठाता है वे आज की जरूरतें

भारत की BRICS अध्यक्षता पर लावरोव ने कहा कि भारत जिन मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है, वे आज की जरूरतों से जुड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, खाने और ऊर्जा की सुरक्षा, तकनीक और AI जैसे विषय अहम हैं। उन्होंने बताया कि भारत फरवरी में AI पर एक बड़ी बैठक करने वाला है, जिसमें रूस भी शामिल होगा। रूस का कहना है कि AI को लेकर नियम ऐसे होने चाहिए, जिनमें हर देश की आजादी बनी रहे और कोई एक देश बाकी देशों पर हुक्म न चलाए।

भारत समेत ब्रिक्स देशों पर रूस से दूरी बनाने का दबाव

रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे BRICS देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं।

उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं।

लुटेरों ने हाईवे पर किया बम धमाका और पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग

इटली में कैश वैन लूटने की कोशिश

- इटली के पुगलिया में कैश वैन लूटने की कोशिश
- बदमाशों ने हाईवे पर गाड़ी को बम से उड़ाया, पुलिस पर भी की फायरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

इटली के पुगलिया से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां नकाबपोश बदमाशों ने किसी हॉलीवुड फिल्म की तर्ज पर एक कैश वैन को लूटने की कोशिश की। नकाबपोश इन लूटेरों ने न केवल हाईवे के बीचों-बीच एक गाड़ी को बम से उड़ा दिया, बल्कि पुलिस को रोकने के लिए उन पर कलाश्निकोव (AK-47) राइफलों से ताबड़तोड़ फायरिंग भी की।

पुलिस की मुस्तैदी के चलते लूट की यह बड़ी कोशिश नाकाम रही। इस घटना के दौरान पुलिस ने तुरंत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, गैंग के बाकी लूटेरे रास्ते से गुजर रहे राहगीरों की गाड़ी छीनकर फरार हो गए। दक्षिणी इटली के पुगलिया में हाईवे पर हथियारबंद लुटेरों ने कैश वैन पर रोंगते खड़े कर देने वाला हमला किया। लुटेरों ने ट्रैफिक को रोकने के लिए जलती हुई गाड़ियों का इस्तेमाल किया और बख्तरबंद गाड़ी को तोड़ने के लिए मिलिट्री-ग्रेड विस्फोटक का इस्तेमाल किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कैश वाहन रोकने के लिए लुटेरों ने कई वाहनों का उपयोग किया। हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद वे वैन के दरवाजे नहीं खोल सके।

फास्ट न्यूज

सेंसेक्स में 208 अंक चढ़कर 84,274 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 10 फरवरी को बढ़त रही। सेंसेक्स करीब 208 अंक की तेजी के साथ 84,274 पर बंद हुआ है। वहीं निफ्टी में 68 की अंक बढ़त रही, ये 25,935 पर कारोबार कर रहा है। वहीं आज ऑटो, आईटी और मीडिया शेयर्स में बढ़त रही है। ऑटो सेक्टर सबसे ज्यादा 1.37% चढ़ा है। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी आय फाइनेंस और फ्रैक्टल एनालिटिक्स कंपनी के IPO का आज दूसरा दिन है।

इलॉन मस्क का अब चांद पर शहर बसाने का प्लान

नई दिल्ली। स्पेसएक्स के फाउंडर इलॉन मस्क अब चांद पर शहर बसाएंगे। उन्होंने अपना फोकस मंगल ग्रह से चांद पर शिफ्ट कर दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां इंसानों को भेजना मंगल के मुकाबले आसान है। आज 9 फरवरी को मस्क ने X पर इसकी जानकारी दी। मस्क ने कहा- स्पेसएक्स ने अब अपना ध्यान चांद पर ₹सेल्फ-ग्रोइंग सिटी₹ बनाने पर लगा दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि हम इसे 10 साल से भी कम समय में हासिल कर सकते हैं, जबकि मंगल ग्रह पर शहर बसाने में 20 साल से ज्यादा का वक्त लगेगा।

ब्लूचिप फंड्स ने 1 साल में दिया 22% का रिटर्न

मुंबई। बीते कुछ महीनों में शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इससे कई निवेशकों का पोर्टफोलियो नेगेटिव में चला गया है। हालांकि इसी बीच म्यूचुअल फंड की ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया है। लंबे समय तक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के जरिए निवेश करके आप इस फंड में आप अच्छा रिटर्न बना सकते हैं।

ईरान में विपक्षी नेताओं पर बड़ी कार्रवाई

नोबेल विजेता नरगिस सहित कई सुधारवादी नेता गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरानी सुरक्षा बलों ने देश में जारी सुधारवादी आंदोलन से जुड़े विपक्षी नेताओं और प्रमुख हस्तियों को हिरासत में लेने के लिए अभियान शुरू कर किया। सुरक्षा बलों के इस कदम से दमनकारी कार्रवाई और भी तेज हो गई है। इससे पहले अधिकारियों ने हिंसा के जरिए देशव्यापी प्रदर्शनों को दबा दिया था। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए थे और हजारों अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर सात साल से अधिक जेल की एक अन्य सजा सुनाई गई है। यह कदम ईरान सरकार के अशांति के खिलाफ बगावत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को चुप कराने का प्रयास दिखाई देता है क्योंकि ईरान, अमेरिका के साथ नई परमाणु वार्ता का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कई बार चेतावनी दी है कि अगर कोई समझौता नहीं हुआ तो वह देश पर हमला कर सकते हैं। मीडिया में प्रसारित खबरों में ईरान की धर्मतांत्रिक व्यवस्था को बदलने की कोशिश कर रहे सुधारवादी आंदोलन के कार्यकर्ताओं के हवाले से बताया गया कि उनके कम से कम चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें कई सुधारवादी गुटों का प्रतिनिधित्व करने वाले सुधारवादी मोर्चे के प्रमुख अजर मंसूरी और पूर्व राजनयिक मोहसेन अमीन-जादेह शामिल हैं।

कश्मीरी मूल की हैं ■ एपस्टीन फाइल्स विवाद से स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली मुस्लिम पीएम बन सकती हैं

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। लेबर पार्टी ने उनके इस्तीफे की मांग की है। हालांकि स्टार्मर ने पद छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है।

इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है। शबाना महमूद PoK के मीरपुर मूल की है। 2025 में गृह मंत्री बनने वाली वह पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी।

ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया कि पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने कहा कि यह नियुक्ति गलत थी।

मैकस्वीनी के बाद स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव

मैकस्वीनी को स्टार्मर का सबसे मजबूत सहारा माना जाता था। उन्हें प्रधानमंत्री का 'दिमाग' कहा जाता है और सत्ता तक पहुंचाने में उनकी बड़ी भूमिका रही। उनके जाने के बाद लेबर पार्टी के सांसद पूछ रहे हैं कि अब स्टार्मर कितने दिन टिक पाएंगे। पार्टी के वामपंथी धड़े ने सीधे प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी है। सांसद ब्रायन लीशमैन ने कहा कि पार्टी की दिशा बदलनी है और इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री से होनी चाहिए। सांसद किम जॉनसन ने माना कि स्टार्मर के लिए हालात संभालना मुश्किल हो गया है, जबकि रैचेल मास्केल ने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ शबाना महमूद। वह स्टार्मर की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं।

स्टार्मर को चुनौती देने के लिए 20% सदस्यों का समर्थन जरूरी

लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20% का समर्थन हासिल करना जरूरी है। यह नियम 2021 में पार्टी कॉन्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10% थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20% कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे।

2025 में दुनियाभर में 350 शिकायतें दर्ज, इनमें 200 रूस से

रूस में भारतीय छात्रों के शोषण के मामले बढ़े

मॉस्को, एजेंसी

रूस की एक यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में 7 फरवरी को हुई चाकूबारी की घटना में चार भारतीय छात्र घायल हो गए। इस घटना के बाद रूस में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और परेशानियों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

इसी बीच विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दुनिया भर में भारतीय छात्रों की तरफ से शोषण, उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव को लेकर की गई शिकायतों में से आधे से ज्यादा मामले सिर्फ रूस से जुड़े हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 196 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों ने ऐसी करीब 350 शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 200 से ज्यादा शिकायतें रूस में पढ़ने वाले छात्रों की थीं। पिछले तीन सालों में इन शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ी है। साल 2023 में 68 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2024 में यह संख्या बढ़कर 78 हो गई और 2025 में बढ़कर 201 तक पहुंच गई। फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट्स से जुड़े संगठनों का कहना है कि रूस में भारतीय छात्रों के साथ नस्लीय भेदभाव आम बात हो गई है। कई बार छात्रों के साथ गाली-गलौज भी होती है और जब वे इसकी शिकायत करते हैं तो यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ से उन्हें सही मदद नहीं मिलती।

रूस की बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी में 7 फरवरी को भारतीय छात्रों पर चाकू से हमला हुआ था।

यूनिवर्सिटीज पर भी मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप

रूस में पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय मेडिकल छात्र राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु से आते हैं। कम फीस और आसानी से एडमिशन मिलने की वजह से रूस लंबे समय से मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों की पसंद रहा है। लेकिन अब वहां से लगातार शिकायतें सामने आने लगी हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई छात्रों का कहना है कि उन्हें दूसरे देशों के छात्रों की तरफ से अक्सर भेदभाव झेलना पड़ता है। छात्रों का आरोप है कि कई बार यूनिवर्सिटी प्रशासन भी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करता है। छोटी-छोटी बातों पर कॉलेज से निकालने की धमकी दी जाती है। वीजा और पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं के डर की वजह से कई छात्र खुलकर अपनी परेशानी बता भी नहीं पाते। मॉस्को की बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर चुके एक छात्र ने मीडिया को बताया कि उनके हॉस्टल की रसोई में मामूली कहासुनी के बाद कुछ विदेशी छात्रों ने भारतीय छात्रों पर हमला कर दिया था और चाकू दिखाकर डराया था।

कीमत : चांदी आज ₹3,759 बढ़ी, ₹2.57 लाख प्रति किलो

दो दिन में 12,495 महंगी, सोना 824 बढ़कर 1.56 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी-सोने के दाम में आज 10 फरवरी को लगातार दूसरे दिन तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, आज 10 फरवरी को एक किलो चांदी की कीमत 3,759 रुपए बढ़कर 2,57,424 रुपए किलो पर पहुंच गई है। सोमवार को इसका भाव 2,53,665 रुपए किलो था। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 2,44,929 रुपए किलो थी।

वहीं, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 824 रुपए बढ़कर 1,55,700 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को ये 1,54,876 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोने ने 1,76,121 रुपए और चांदी ने 3,85,933 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं। पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था।

41 दिन में सोना 22,505 और चांदी 1,49,568 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 22,505 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,55,700 रुपए हो गया है। वहीं, चांदी 27,004 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,57,424 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

पूछताछ : 9 फरवरी को जांच एजेंसी के सामने पेश होना था, लेकिन नहीं पहुंचीं थीं

टीना अंबानी को नया समन जारी करेगा ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ED) जल्द ही रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी को नया समन जारी करेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ के लिए उन्हें फिर से बुलाया जाएगा।

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ED) ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (ADAG) और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ 40,000 करोड़ रुपए के बैंकिंग और कॉर्पोरेट फ्रॉड की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) का गठन किया है।

9 फरवरी को आधिकारिक सूत्रों ने जानकारी दी कि यह टीम सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बाद बनाई गई है। कोर्ट ने मामले की निष्पक्ष और जल्द से जल्द जांच करने को कहा था। ED पिछले साल से अनिल अंबानी और उनके ADAG ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रही है। अब तक प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत तीन एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (ECIR) दर्ज की जा चुकी हैं। एजेंसी अब तक ग्रुप की लगभग 12,000 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क यानी अटैच कर चुकी है। सूत्रों का कहना है कि SIT आने वाले दिनों में कुछ और नई ECIR दर्ज कर सकती है।

माना जा रहा है कि न्यूयॉर्क में एक लग्जरी अपार्टमेंट की खरीद से जुड़े पैसों के लेनदेन के मामले में उनसे पूछताछ होनी है।

न्यूयॉर्क में एक लग्जरी अपार्टमेंट की खरीद से जुड़ा है मामला

माना जा रहा है कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में एक लग्जरी अपार्टमेंट (कंडोमिनियम) की खरीद से जुड़े पैसों के लेनदेन के मामले में उनसे पूछताछ होनी है। ED ने हाल ही में इस मामले में रिलायंस कम्युनिकेशन (RCOM) के पूर्व प्रेसिडेंट पुनीत गर्ग को भी गिरफ्तार किया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एजेंसी ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (ADAG) के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी और वित्तीय गड़बड़ियों के कई मामलों की जांच के लिए हाल ही में एक SIT का गठन किया है।

> 68 साल की पूर्व अभिनेत्री टीना अंबानी को 9 फरवरी को जांच एजेंसी के सामने पेश होना था, लेकिन वह नहीं पहुंचीं। अधिकारियों के मुताबिक, अब उन्हें जल्द ही दोबारा बुलाया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग

नई दिल्ली, एजेंसी

इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर पहुंचे। उनका यह चार दिन का दौरा खास तौर पर पिछले साल दिसंबर में बांडी बीच पर हुए आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रेलियामें रहने वाले यहूदी समुदाय के प्रति समर्थन दिखाने के लिए है। ऑस्ट्रेलियामें इजरायल के राष्ट्रपति के विरोध में हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। 14 दिसंबर को सिडनी के बांडी बीच पर हनुक्का के एक कार्यक्रम में हुई गोलीबारी में 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के निमंत्रण पर हर्जोग का यह दौरा हो रहा है। इस यात्रा ने ऑस्ट्रेलियामें कुछ लोगों के गुस्से को भड़काया है।

प्रदर्शनकारी हर्जोग पर गाजा में नागरिकों की मौत में संलिप्त होने का आरोप लगा रहे हैं। फलस्तीन समर्थक समूहों ने देश के शहरों और कस्बों में विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारी फलस्तीन समर्थक नारे भी लगाए। हालात को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

न्यू साउथ वेल्स राज्य में हर्जोग की यात्रा के दौरान भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। एक हेलीकाप्टर ऊपर चक्कर लगा रहा था और अधिकारी घोड़ों पर गश्त कर रहे थे। पुलिस के साथ झड़प में कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया।

■ इजरायली सेना ने लेबनान में हमास के सहयोगी को किया गिरफ्तार

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96